लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सदन में भगवान शिव की तस्वीर दिखाने वाले राहुल गांधी का विरोध किया। गांधी के इस कृत्य पर आपत्ति जताते हुए अध्यक्ष ने कहा, ठनियमों के अनुसार तख्तियां दिखाने की अनुमति नहीं है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 59 दिनांक:02-07-2024 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

गुजरात में सोमवार को लगातार दूसरे दिन भारी बारिश हुई। वहीं, देवभूमि द्वारका जिले के कल्याणपुर तालुका में शाम छह बजे तक 12 घंटे की अवधि के दौरान 174 मिलीमीटर बारिश हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 20 से अधिक मुद्दों पर सरकार को घेरा

अग्निवीर, एमएसपी, नीट पर आरोप लगाए तो राजनाथ, शाह, शिवराज ने टोका; कहा- झूठ बोल रहे

नई दिल्ली(ईएमएस)। संसद सत्र के छठे दिन सोमवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार और भाजपा को 20 से ज्यादा मुद्दों पर घेरा। उन्होंने हिन्दू, अग्निवीर, किसान, मणिपुर, नीट, बेरोजगारी, नोटबंदी, जीएसटी, एमएसपी, हिंसा, भय, धर्म, अयोध्या, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अडाणी-अंबानी, प्रधानमंत्री और स्पीकर की चर्चा की। उन्होंने 90 मिनट के भाषण की शुरुआत संविधान की कॉपी दिखाकर की। भाषण के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर तू-तू, मैं-मैं हुई। राहुल ने अग्निवीर, पीएम मोदी के परमात्मा से डायरेक्ट कनेक्शन और किसानों के एमएसपी कानून की बात कही। इस पर पीएम 2 बार, शाह-राजनाथ 3-3 बार, शिवराज चौहान और भूपेंद्र यादव को एक-एक बार खड़े होकर टोकना पड़ा।

बीजेपी डर फैला रही

राहुल ने कहा कि हिंदू डर नहीं फैला सकता। बीजेपी डर फैला रही है। अयोध्या से शुरू करता हूं। राहुल के इतना कहने पर अमित शाह खड़े हुए। कहा कि नियम इन पर लागू नहीं होता क्या। ये पूरी बीजेपी को हिंसा फैलाने वाला बता रहे हैं। हाउस ऑर्डर में नहीं है। सदन ऐसे नहीं चलेगा। राहुल गांधी ने कहा कि किसानों ने ये कहा कि 16 लाख करोड़ उद्योगपतियों का कर्जा माफ हो सकता है तो हमारा भी थोड़ा सा कर दीजिए. किसान ने एमएसपी मांगी। आपने कहा क्या। आपने कहा कि आपको ये नहीं मिलेगी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले कि ये गलत बयानी कर रहे हैं। एमएसपी पर खरीद जारी है। उनकी सरकार थी तब बताएं कि एमएसपी पर कितनी खरीद होती थी। ये सत्यापित करें कि एमएसपी पर खरीद नहीं हो रही। राहुल गांधी ने कहा कि एमएसपी विथ लीगल गारंटी सर, नॉट जस्ट एमएसपी।

अग्निवीर पीएम का ब्रेन चाइल्ड

राहुल ने कहा कि पूरा देश जानता है कि ये सेना की स्कीम है। सेना जानती है कि ये स्कीम सेना की नहीं, पीएम का ब्रेन चाइल्ड है। राजनाथ सिंह ने आपत्ति जताई। कहा कि ये गलत बयानबाजी कर रहे हैं। राहुल के बयान को एक्सपंज करने की मांग की। तब राहुल बोले कि इनको अच्छी लगती है, रखिए। हमारी सरकार आएगी हम हटा देंगे। अग्निवीर जवानों के खिलाफ, सेना के खिलाफ है। राजनाथ सिंह ने राहुल को गलत बयानी करके सदन को गुमराह नहीं करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सरहद पर अगर कोई अग्निवीर शहीद हो जाता है, तो उसे एक करोड़ रुपए मिलता है। राहुल गांधी ने कहा कि सच्चाई क्या है, ये अग्निवीर जानता है। तब अमित शाह बोले कि इसका सत्यापन किया जाना चाहिए और अगर वह साबित नहीं करते हैं तो सदन और देश से इसकी माफी मांगनी चाहिए।

आपको मोदीजी से झुककर हाथ नहीं मिलाना चाहिए

राहुल ने कहा कि मैंने आपसे (ओम बिरला) हाथ मिलाया तो आप सीधे खड़े रहे, जब मोदी जी ने आपसे हाथ मिलाया तो आपने झुककर हाथ मिलाया। स्पीकर ने कहा, मेरी संस्कृति और संस्कार में सिखाया गया है कि जो हमसे बड़े हैं, उनसे झुक कर मिलो और जो छोटे हैं उनसे बराबरी से मिलो। राहुल गांधी ने कहा, स्पीकर सबसे बड़ा है, हम सबको स्पीकर से झुककर बात करनी चाहिए। आप इस हाउस के लीडर हैं। आपको किसी के सामने नहीं झुकना चाहिए। राहुल गांधी, मैंने एक भाषण दिया है, जिस पर बार-बार बाधा उत्पन्न की गई। हम सब किसी चीज का खड़े होकर विरोध करते हैं तो वो सत्य है, अहिंसा है, साहस है।

नीट एग्जाम को कॉमर्शियल बना दिया

राहुल गांधी ने कहा कि आपने हर व्यक्ति के लिए डर का पैकेज दिया। रोजगार तो आपने खत्म कर दिया। अब नया फैशन निकला है हृश्वश्वञ्ज। एक प्रोफेशनल स्कीम को आपने कॉमर्शियल स्कीम में तब्दील कर दिया। गरीब मेडिकल कॉलेज नहीं जा सकता। पूरा का पूरा एग्जाम अमीर बच्चों के लिए बनाया है। हजारों करोड़ रुपए बन रहे हैं और कॉमर्शियल पेपर आपने जो बना रखे हैं, 7 साल में 70 पेपर लीक हुए हैं। प्रेसिडेंट एड्रेस में न पेपर लीक की बात होगी न अग्निवीर की बात होगी। हमने एक दिन के डिस्कशन की मांग की, सरकार ने बोला - नहीं, नहीं हो सकता।

25 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली(ईएमएस)। मौसम विभाग ने देश के 25 राज्यों में आज और अगले 5 दिन बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार, झारखंड, दक्षिण और नॉर्थ-ईस्ट के राज्य शामिल हैं। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून अब देश के करीब सभी राज्यों में पहुंच गया है। अगले तीन दिन में यह राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के बाकी बचे हिस्सों को भी कवर कर लेगा।

पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों और उत्तर-पश्चिम, पूर्व और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं, मौसम विभाग ने बताया है कि पश्चिमी तट को छोड़कर उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। बयान में आगे कहा गया है कि मध्य भारत, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत तथा पश्चिमी तट के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है।

अब दंड की जगह........त्वरित सुनवाई होकर न्याय

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशभर में नए आपराधिक कानून लागू होने के बीच कहा कि अब तीन नए कानूनों के कार्यान्वयन के बाद दंड की जगह न्याय होगा और त्वरित सुनवाई होगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने नए आपराधिक कानूनों के संबंध में कहा कि आजादी के 77 साल बाद आपराधिक न्याय प्रणाली स्वदेशी हो रही है और यह भारतीय लोकाचार के आधार पर चलेगी। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएनए) 2023 सोमवार से पूरे देश में प्रभावी हो गए।

इन तीनों कानून ने ब्रिटिश कालीन कानूनों क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, तीनों आपराधिक न्याय कानूनों के कार्यान्वयन से सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली की स्थापना होगी। उन्होंने कहा कि इन कानूनों के लागू होने से दंड की जगह न्याय मिलेगा और देरी की जगह त्वरित न्याय होगा। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश कालीन पुरानी व्यवस्था में केवल पुलिस के अधिकार सुरक्षित थे, लेकिन अब पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं के अधिकार सुरक्षित होने जा रहे है। उन्होंने कहा कि इन तीनों आपराधिक न्याय कानूनों पर चार वर्ष से अधिक समय तक विचार-विमर्श हुआ है। उन्होंने उम्मीद जाहिर कि नए आपराधिक न्याय कानूनों के तहत दोषसिद्धि दर 90 प्रतिशत तक होगी और अपराधों में कमी आएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने देश के सभी दलों से राजनीतिक से ऊपर उठकर आपराधिक न्याय कानूनों का समर्थन करने की अपील की और कहा कि यदि विपक्ष के किसी भी नेता को नए आपराधिक कानूनों को लेकर कोई चिंता है, तब वह उनसे मिलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि नए आपराधिक न्याय कानूनों के बारे में 22.5 लाख से अधिक पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए 12,000 से अधिक 'मास्टर' प्रशिक्षक तैनात किए गए और नए कानून के तहत पहला केस ग्वालियर में रविवार रात 12 बजकर 10 मिनट पर बाइक चोरी का दर्ज किया गया।

राजनैतिक दलों को इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदकर चंदा देने वाली कंपनियों संकट में टैक्स विभाग की टेढ़ी नजर....मिल रहे नोटिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदकर राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने वाली कंपनियों पर टैक्स विभाग की टेढ़ी नजर है। बताया जा रहा है कि जिन कंपनियों ने राजनीतिक दलों को चंदा दिया था, उन्हें अब टैक्स विभाग से नोटिस मिलने लगे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड्स को सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में असंवैधानिक करार दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ कंपनियों को इस बाबत नोटिस मिले हैं। ये वे कंपनियां हैं जिन्होंने चंदे में कंट्रीब्यूशन के लिए टैक्स छूट के लिए दावा किया था। रिपोर्ट के मुताबिक इन कंपनियों में बड़े-बड़े ग्रुप शामिल हैं, जिसमें प्रमुख नाम हैं, इंफोसिस, एम्बैसी ग्रुप, मेघा इंजिनियरिंग, आदित्य बिड़ला ग्रुप, जेएसडब्ल्यू स्टील, टोरेंट फार्मा, लूपिन, इंटास, भारती एयरटेल और अलेम्बिक फार्मा आदि है।

जनवरी 2018 में शुरुआत के बाद से इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम के द्वारा राजनीतिक दलों को 16,518 करोड़ रुपये का चंदा मिला था। हालांकि, 15 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया, जिससे चंदा देने वाले कॉरपोरेट के बीच उनके योगदान पर टैक्स के प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ गई।

शीर्ष दानदाता : फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज पीआर, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, क्विक सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड, वेदांता लिमिटेड, हल्दिया एनर्जी लिमिटेड, भारती ग्रुप (इसमें भारती एयरटेल लिमिटेड, भारती एयरटेल करंट एसी जीसीओ, भारती इंफ्राटेल, भारती टेलीमीडिया शामिलहैं। एस्सेल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड,

केवेंटर फूडपार्क इंफ्रा लिमिटेड, मदनलाल लिमिटेड शामिल है।

भारतीय जनता पार्टी ने कुल 6,986.5 करोड़ के चुनावी बॉन्ड भुनाए, जिसमें 2,555 करोड़ 2019-20 में प्राप्त हुए। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को चुनावी बॉन्ड के द्वारा 1,397 करोड़ मिले, जो भाजपा के बाद दूसरा सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता है। कांग्रेस ने चुनावी बॉन्ड के द्वारा कुल 1,334.35 करोड़ भुनाए। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) चुनावी बॉन्ड के द्वारा चौथी सबसे बड़ी प्राप्तकर्ता है, जो कि 1,322 करोड़ के बॉन्ड भुनाए।

द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को चुनावी बॉन्ड के द्वारा 656.5 करोड़ मिले, जिसमें लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के फ्यूचर गेमिंग से 509 करोड़ शामिल हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) को चुनावी बॉन्ड के द्वारा 14.05 करोड़, अकाली दल को 7.26 करोड़, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) को 6.05 करोड़, नेशनल कॉन्फ्रेंस को 50 लाख मिले।

बीजू जनता दल (बीजेडी) ने 944.5 करोड़, युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वॉयआरएस कांग्रेस) ने 442.8 करोड़, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने 181.35 करोड़ के चुनावी बॉन्ड भुनाए।

माइक बंद करने का झूठा आरोप ना लगाए कांग्रेस....लोकसभा स्पीकर की दो टूक

नई दिल्ली (ईएमएस)। सत्ता और विपक्ष पक्ष के बीच लंबी खींचतान के बाद आखिरकार सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। इसके पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस द्वारा उन पर लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी का माइक बंद करने के लगाए गए आरोपों पर गहरी नाराजगी जताकर कहा कि बाहर जाकर यह आरोप लगाया जाता है कि माइक बंद कर दिया जाता है। यह सही नहीं है। आसन पर सभी दल के सांसद बैठते हैं और सभी जानते हैं, कि आसन से जिनका नाम बोलने के लिए पुकारा जाता है, उनका ही माइक चालू होता है। स्पीकर की चेयर पर माइक बंद करने का कंट्रोल नहीं होता। इसलिए यह आरोप लगाना सही नहीं है।

हालांकि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू होने से पहले फिर राहुल गांधी ने स्पीकर बिरला की अनुमति मिलने के बाद खड़े होकर नीट पर अलग से एक दिन चर्चा की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि वे चाहते थे कि नीट पर एक दिन सदन में अलग से चर्चा हो, 2 करोड़ युवाओं का नुकसान हुआ है। पिछले 7 साल में 70 बार पेपर लीक हुए हैं।

इसके बाद राहुल गांधी के जवाब में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूरा सदन जानता है कि सदन की कार्यवाही नियमों और प्रक्रियाओं के द्वारा होती है। नियमों और प्रक्रियाओं के अलावा संसद की कुछ परंपराएं भी हैं, जिसके आधार पर सदन की कार्यवाही होती है। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि अपने लंबे संसदीय जीवन में उन्होंने आज तक यह नहीं देखा कि जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में चर्चा शुरू होती है, तब अन्य किसी विषयों पर उस समय चर्चा हुई हो। इस कारण वे विपक्ष के सभी साथियों से भी आग्रह करता हूं कि आप जिस विषय पर भी चर्चा करना चाहते हैं, आप करें लेकिन एक बार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को संसद में पारित करने के बाद ही करें।

इसके बाद राहुल गांधी ने राजनाथ सिंह की बात को स्वीकार कर लिया। इसके बाद बिरला ने कहा कि सिंह ने सुझाव दिया है और इस पर फैसला स्पीकर और बीएसी करेगी।

मनीष तिवारी बोले, नये कानूनों की फिर समीक्षा करे संसद,देश को पुलिस स्टेट में बदलने का प्रयास कर रही केन्द्र सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता और सांसद मनीष तिवारी ने कहा है कि भाजपा गठबंधन वाली केन्द्र सरकार देश को पुलिस स्टेट में बदलना चाहती है। इसलिए उसने नए आपराधिक कानूनों को लागू किया है। तिवारी ने कहा कि संसद को इन नए आपराधिक कानूनों की एक बार फिर समीक्षा करनी चाहिये। साथ ही कहा कि ऐसा नहीं होने पर देश को नुकसान उठाना पड़ेगा क्योंकि पुलिस स्टेट में राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन पर सरकार का पूरी तरह से नियंत्रण हो जाता है।

मनीष ने सोशल मीडिया पर कहा, ''इन आपराधिक कानूनों से भारत को एक प्रकार से पुलिस स्टेट में बदलन का प्रयास चल रहा है।''

साथ ही कहा कि इसे रोका जाना जरुरी है। इसलिए संसद को इसी एक बार फिर समीक्षा करनी चाहिए। वहीं केन्द्र सरकार के अनुसार देश में सोमवार से तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में काफी बदलाव आएंगे। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 आज से पूरे देश में प्रभावी हो गयी हैं। इसके साथ ही अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम समाप्त हो जाएंगे।

राहुल गांधी का आरोप अग्निवीर यूज एंड थ्रो मजदूर, शाह और राजनाथ का पलटवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। तीखी नोकझोंक और हंगामे ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के पहले भाषण को परिभाषित किया, क्योंकि राहुल गांधी ने तथाकथित हिंसक हिंदुओं पर निशाना साधने से पहले भगवान शिव का पोस्टर फाड़ दिया था। राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तत्काल पलटवार किया, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माफी की मांग की।

इस बीच राहुल गांधी ने अग्निवीर की शहादत का जिक्र कर कहा कि मोदी उन्हें शहीद नहीं कहते। उसके परिजनों को पेंशन नहीं मिलेगी। आम जवान को पेंशन मिलेगी, केंद्र सरकार उसकी मदद करेगी लेकिन अग्निवीर को जवान नहीं कह सकते है। अग्निवीर यूज एंड थ्रो मजदूर है। राहुल गांधी ने कहा कि आप जवान और जवान के बीच में फूट डालते हो और फिर अपने आपको देशभक्त कहते हो।

राहुल गांधी के बयान पर पलटवार कर राजनाथ सिंह ने कहा कि सरहद पर अगर कोई अग्निवीर मारा जाता है, तब उसके परिवार को एक करोड़ रुपये मिलता है। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि सच्चाई क्या है, ये अग्निवीर जानता है।

तीन नए आपराधिक कानून को डिंपल ने बताया, शिकंजा कसने की तैयारी

लखनऊ (ईएमएस)। देशभर में तीन नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इन तीनों कानूनों को देशवासियों पर शिकंजा कसने की तैयारी बताया है। डिंपल ने कहा है कि यह कानून गलत तरीके से संसद में पास किए गए है। इन कानूनों पर कोई भी चर्चा नहीं की गई है। नए कानून में अगर कोई विदेशों में भी अपने अधिकारों को लेकर विरोध करता है, तब उन पर भी ये कानून लागू होगा।

बता दें कि सोमवार उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए है। इसमें भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 शामिल हैं। इन नए कानूनों में महिलाओं और बच्चों का खास ध्यान रखा गया है। उनके खिलाफ होने वाले अपराधों के मामलों में सख्त सजा देने का प्रावधान है।

भारत ने बनाया दुनिया का सबसे ताकतवर गैर-परमाणु विस्फोटक सेबेक्स 2

नई दिल्ली। भारत रक्षा क्षेत्र में आत्म निर्भरता की राह पर आगे बढ़ रहा है। इसी सिलसिले में भारत ने दुनिया का सबसे शक्तिशाली गैर-परमाणु विस्फोटक बनाने में कामयाबी हासिल की है। यह विस्फोटक ट्राइनाइट्रोटोलुइन (टीएनटी) की तुलना में दोगुने से भी अधिक घातक है। इस विस्फोटक को सेबेक्स 2 नाम दिया गया है। इसका सफल परीक्षण भी कर लिया है।

नई विधि से तैयार सेबेक्स 2 की खासियत यह है कि यह बिना वजन बढ़ाए बम, गोले की मारक क्षमता बढ़ाने में सक्षम है। इसी वजह से इसकी पूरी दुनिया में मांग हो सकती है। इससे न केवल सशस्त्र बन की मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी, बल्कि रक्षा निर्यात के क्षेत्र को भी पंख लगने की उम्मीद है। उच्च टीएनटी वाले विस्फोटकों में अधिक मारक क्षमता और विनाशकारी शक्ति होती है।

नागपुर स्थित सोलर इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी इकोनामिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (ईईएल) ने 'मेक इन इंडिया' के तहत सेबेक्स 2 समेत तीन नए विस्फोटक फार्मूलेशन विकसित किए हैं। सोलर इंडस्ट्रीज के अधिकारियों ने कहा, ईईएल ने तीन नए विस्फोटक फार्मूलेशन विकसित किए हैं, जो मारक क्षमता में वृद्धि के साथ सशस्त्र बलों के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं।

आरएसएस के कार्यक्रम में सिख धर्मगुरु के जाने पर बवाल

कुरुक्षेत्र (ईएमएस)। योग दिवस के मौके पर स्वर्ण मंदिर में गुजरात की एक महिला अर्चना मकवाना ने योगासन किया था। इस पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने नाराजगी जताकर केस भी दर्ज करा दिया था। इस मामले में अर्चना ने माफी मांग ली थी, लेकिन इसके बाद भी एक्शन की मांग हो रही है। अब हरियाणा के कुरुक्षेत्र में एक सिख धर्मगुरु के आरएसएस के कार्यक्रम में जाने पर विवाद हो गया है। उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने पर सिख पंथ के कुछ लोगों की ओर से सवाल उठाए जाने लगे। इसकारण कुरुक्षेत्र के गुरुद्वारा उदासीन ब्रह्म अखाड़ा साहिब के बाबा गुरविंदर सिंह को माफी मांगनी पड़ी है।

उन्होंने लिखा, मैं कुरुक्षेत्र में एक स्कूल के कार्यक्रम में गया था। मुझे यह जानकारी नहीं थी कि यह आरएसएस का कार्यक्रम है, जो 23 जून, 2024 को आयोजित हुआ था। मुझे वहां पहुंचने पर पता चला कि यह आरएसएस का आयोजन है। मेरा संघ से कोई रिश्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं भविष्य में ऐसी कोई गलती नहीं करूंगा। बाबा गुरविंदर ने कहा, मैं और हमारा पूरा स्थान श्री अकाल तख्त साहिब को समर्पित है। मैं ऐसा कोई काम भविष्य में नहीं करूंगा, जिससे पंथ को चोट पहुंचती हो।

अकाल तख्त की ओर से मुझे जो भी आदेश दिया जाएगा, वहां मैं हाजिर रहूंगा। वहीं संघ सूत्रों का कहना है कि आरएसएस का शिविर कुरुक्षेत्र के एक स्कूल में लगा था। शिविर का समापन कार्यक्रम 23 जून को था, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर बाबा गुरविंदर सिंह को बुलाया गया था। कार्यक्रम को वीडियो भी वायरल है, जिसमें बाबा गुरविंदर सिंह संघ के स्वयंसेवकों को सिखों का इतिहास बताते हुए प्रोत्साहित करते हैं। कुरुक्षेत्र में एक सिख धर्मगुरु के आरएसएस के कार्यक्रम में जाने पर विवाद हो गया उनकी तस्वीर वायरल होने पर कुछ लोगों की ओर से सवाल उठाए जाने लगे। इसकारण कुरुक्षेत्र के गुरुद्वारा उदासीन ब्रह्म अखाड़ा साहिब के बाबा गुरविंदर सिंह को माफी मांगनी पड़ी है।

राहुल गांधी का आरोप अग्निवीर यूज एंड थ्रो मजदूर, शाह और राजनाथ का पलटवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। तीखी नोकझोंक और हंगामे ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के पहले भाषण को परिभाषित किया, क्योंकि राहुल गांधी ने तथाकथित हिंसक हिंदुओं पर निशाना साधने से पहले भगवान शिव का पोस्टर फाड़ दिया था। राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तत्काल पलटवार किया, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माफी की मांग की।

इस बीच राहुल गांधी ने अग्निवीर की शहादत का जिक्र कर कहा कि मोदी उन्हें शहीद नहीं कहते। उसके परिजनों को पेंशन नहीं मिलेगी। आम जवान को पेंशन मिलेगी, केंद्र सरकार उसकी मदद करेगी लेकिन अग्निवीर को जवान नहीं कह सकते है। अग्निवीर यूज एंड थ्रो मजदूर है। राहुल गांधी ने कहा कि आप जवान और जवान के बीच में फूट डालते हो और फिर अपने आपको देशभक्त कहते हो।

राहुल गांधी के बयान पर पलटवार कर राजनाथ सिंह ने कहा कि सरहद पर अगर कोई अग्निवीर मारा जाता है, तब उसके परिवार को एक करोड़ रुपये मिलता है।

इस पर राहुल गांधी ने कहा कि सच्चाई क्या है, ये अग्निवीर जानता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इसका सत्यापन होना चाहिए और अगर वह साबित नहीं करते हैं, तब सदन और देश से इसकी माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल गांधी ने अग्निवीर को लेकर जानकारी सदन पटल पर रखने की बात कही।

वहीं, राहुल गांधी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि ये सेना की स्कीम है। सेना जानती है कि ये स्कीम सेना की नहीं, पीएम का ब्रेन चाइल्ड है। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ ने आपत्ति जताकर राहुल गांधी के बयान को सदन की कार्रवाई से हटने की मांग की।

अंतरिक्ष में इंसान को भेजने की योजना

नई दिल्ली(ईएमएस)। अंतरिक्ष जगत में काम कर रहीं दो अमेरिकी संस्थाओं ने भारत को साझेदार बनाने का फैसला लिया है। सेरा और ब्लू ओरिजिन ने अपनी महत्वाकांक्षी योजना के लिए भारत को साझेदार देश चुना है। विशेष विमान से इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने के कार्यक्रम पर काम रहीं यह दोनों संस्थाएं ऐसे देश को चुन रही हैं, जिसके नागरिक अभी तक अंतरिक्ष में नहीं भेजे जा सके हैं। इन एजेंसियों की सूची में ऐसे देश भी शामिल होंगे, जिसके बहुत कम यात्री अंतरिक्ष भेजे गए हैं। मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर काम कर रहीं दोनों एजेंसियों ने भारत को भागीदार बनाने के बाद कहा, हम अंतरिक्ष को सभी के लिए सुलभ बनाना चाहते हैं।

सेरा और ब्लू ओरिजिन के अधिकारियों के मुताबिक एजेंसी को एक भारतीय नागरिक को यह दुर्लभ मौका प्रदान करने की खुशी है। इसमें ऐसे शख्स को चुना जाएगा जो अंतरिक्ष यात्रा के चमत्कारों का अनुभव करना चाहता है। कोई भी भारतीय नागरिक लगभग 2.50 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 208 रुपये का शुल्क देकर इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करा सकता है।

मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत न्यू शेपर्ड नाम के रॉकेट के इंसान को अंतरिक्ष भेजा जाएगा। दुनियाभर से छह नागरिक इस मिशन के लिए चुने जाएंगे। लगभग 11 मिनट की इस यात्रा के दौरान विशेष विमान अंतरिक्ष यात्रियों को कॉर्मन रेखा (100 किमी) से आगे ले जाएगा। कॉर्मन लाइन अंतरिक्ष की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमा है। दोनों एजेंसियों ने बताया कि अंतरिक्ष यात्री उड़ान के लिए वापस उतरने से पहले कई मिनट तक भारहीनता का अनुभव कर सकेंगे।

अपनी योजना के बारे में सेरा के सह संस्थापक जोशुआ स्कुर्ला ने कहा, हम भारत को अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम का हिस्सा बनाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। पंजीकरण कराने के बाद छह यात्रियों को चुने जाने के लिए आम जनता से वोटिंग कराई जाएगी। ब्लू ओरिजिन अंतरिक्ष के मानकों के मुताबिक फिटनेस की जांच करेगा। चुने जाने वाले भावी अंतरिक्ष यात्रियों को ब्लू ओरिजिन की तरफ से निर्धारित शारीरिक मानकों को पूरा करना होगा। छह यात्रियों में एक सीट वैश्विक है, जबकि बाकी सीटें अलग देश और क्षेत्रों को आवंटित की जा चुकी हैं।

सीएम केजरीवाल ने फिर खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा,सीबीआई की गिरफ्तारी को बताया गैर-कानूनी

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में फंसे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आबकारी नीति मामले में अपनी गिरफ्तारी और सीबीआई रिमांड को चुनौती दी है। बीती 29 जून को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद राउज एवेन्यू की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया।

दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 26 जून को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। केजरीवाल की सीबीआई रिमांड खत्म होने के बाद 29 को फिर पेश किया गया। इससे पहले केजरीवाल को 21 मार्च को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। तभी से केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

आप सांसद संजय सिंह ने सीबीआई द्वारा अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला है। उन्होने कहा कि पीएम मोदी के निर्देश पर सीबीआई ने सीएम को गिरफ्तार किया है। संजय सिंह ने कहा कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि ईडी के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वो दुर्भावनापूर्ण इरादे से काम कर रही है। ईडी के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई मनी ट्रेल नहीं है, कोई सबूत नहीं है, कोई पैसे की रिकवरी नहीं है और इसलिए अरविंद केजरीवाल निर्दोष हैं। अरविंद केजरीवाल को केंद्र सरकार, पीएम मोदी के निर्देश पर सीबीआई ने गिरफ्तार किया।

मेधा पाटकर को 5 महीने की जेल

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की ओर से दायर आपराधिक मानहानि मामले में दिल्ली की साकेत कोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता और नर्मदा बचाओ आंदोलन की प्रमुख मेधा पाटकर को पांच महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने मेधा पाटकर पर 10 लाख का जुर्माना भी लगाया और जुर्माने की राशि वीके सक्सेना को देने का निर्देश दिया।

मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने पाटकर को मानहानि का दोषी पाया और उन्हें सक्सेना की प्रतिष्ठा को हुए नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में 10 लाख रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया,साथ ही कोर्ट ने उम्र का हवाला देने वाली दलील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यह केस 25 साल तक चला। हालांकि, अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 389(3) के तहत उनकी सजा को 1 अगस्त तक निलंबित कर दिया, ताकि वह आदेश के खिलाफ अपील कर सके। अदालत के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए मेधा पाटकर ने कहा- सत्य कभी पराजित नहीं हो सकता। हमने किसी को बदनाम करने की कोशिश नहीं की, हम केवल अपना काम करते हैं। हम अदालत के फैसले को चुनौती देंगे।

बता दें, 30 मई को वीके सक्सेना की ओर से पेश वकील ने मेधा को अधिकतम सजा देने की मांग की थी। भारतीय दंड संहिता में आपराधिक मानहानि के मामले में अधिकतम 2 साल की कैद की सजा का प्रावधान है। 24 मई को साकेत कोर्ट ने मेधा को दोषी करार दिया गया था। कोर्ट ने मेधा पाटकर को भारतीय दंड संहिता की धारा 500 के तहत दोषी करार दिया था।

संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 के परिणाम घोषित किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिनांक 16/06/2024 को आयोजित सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा,2024 के परिणाम के आधार पर, निम्नलिखित रोल नंबर वाले परीक्षार्थी सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2024 में प्रवेश के लिए योग्य घोषित किए गए हैं।

इन परीक्षार्थियों की मुख्य परीक्षा की योग्यता अनंतिम है। परीक्षा के नियमों के अनुसार, इन सभी परीक्षार्थियों को सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2024 के लिए विस्तृत आवेदन पत्र- ६ (डीएएफ-६) में फिर से आवेदन करना होगा। विस्तृत आवेदन पत्र- ६ (डीएएफ-६) भरने और इसे जमा करने की तिथियां और महत्वपूर्ण निर्देश की घोषणा आयोग की वेबसाइट पर उचित समय पर की जाएगी।

परीक्षार्थियों को यह भी सूचित किया जाता है कि सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2024 के अंक, कट ऑफ अंक और उत्तर कुंजी सिविल सेवा परीक्षा, 2024 की पूरी प्रक्रिया के बाद और भारतीय वन सेवा परीक्षा, 2024 समाप्त हो गई है यानी अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद ही आयोग की वेबसाइट यानी प्ज्जः//ल्ेब्.दप्ब.ह पर अपलोड की जाएंगी।

नई दिल्ली में शाहजहाँ रोड पर स्थित संघ लोक सेवा आयोग के पास धौलपुर हाउस में अपने परिसर में परीक्षा हॉल भवन के पास एक सुविधा काउंटर मौजूद है। परीक्षार्थी उपरोक्त परीक्षा के अपने परिणाम के संबंध में कोई भी जानकारी/स्पष्टीकरण सभी कार्य दिवसों पर सुबह 10.00 बजे से शाम 5.00 बजे के बीच सुविधा काउंटर पर व्यक्तिगत रूप से या दूरभाष नंबर 011-23385271, 011-23098543 या 011-23381125 पर प्राप्त कर सकते हैं।

जन हितैषी

वैदिक काल में शिक्षा आज की शिक्षा से कहीं बेहतर थी

वैदिक काल (लगभग 1700-900 ई.पू.) से भारत में शिक्षा की शुरुआत मान सकते हैं। 'वैदिक शिक्षा' शब्द का प्रयोग इस अवधि में प्रयुक्त शिक्षण पद्धति के अर्थ में किया जाता है। एक व्यापक अर्थ में इस शब्द का प्रयोग उस शिक्षा पद्धति के लिए किया जाता है जो पूर्व वैदिक काल में प्रारंभ हुई और लगभग 550 ई. (गुप्त साम्राज्य के पतन तक) विकसित होती रही। इसे 'ब्राह्मण शिक्षा-पद्धति' , 'शिक्षा की हिंदू प्रणाली' और शिक्षा की 'गुरुकुल प्रणाली' भी कहा जाता है। भारतवर्ष मैं रहने वाली सर्वप्रथम जाति आर्य थी और वैदिक संस्कृति आर्यों की अपनी संस्कृति थी ''वैदिक-संस्कृति सत्य, सनातन है और वेद को अनादि अथवा ईश्वरीय माना गया है , क्योंकि मनुष्य और उसकी सभ्यता के बारे में सबसे प्राचीन इतिहास भी इसी संस्कृति की देन है ''जिसमें ऋषियों द्धारा मानव समाज को ब्यवस्थित तरीके से चलाने के लिये मर्यादित आचरण की ब्यवस्था दी गयी 'वैदिक शिक्षा-प्रणाली की ख़ास विशेषता थी गुरुकुल ड शाब्दिक अर्थ शिक्षक का घर ', की प्रणाली। छात्रों को शिक्षा के पूरे काल के लिए शिक्षक और उनके परिवार के साथ रहना आवश्यक था। कुछ गुरुकुल एकांत वन-क्षेत्रों में होते थे, लेकिन सिद्धांत एक ही था विद्यार्थियों को गुरु (शिक्षक) / गुरु और उनके परिवार के साथ रहना होता था। यह प्रणाली लगभग 2500 वर्षों तक यथावत चलती रही। पाठशालाओं तथा शिक्षण संस्थाओं का विकास बहुत बाद में हुआ।

शिक्षा के उद्देश्य का पहला उल्लेख ऋग्वेद के 10 वें मंडल में पाया जाता है। इस मंडल के एक सूक्त में कहा गया है कि विद्या का उद्देश्य वेदों तथा कर्मकांड के ज्ञान के अतिरिक्त समाज में सम्मान प्राप्त करना, सभा-समिति में बोलने में सक्षम होना, उचित-अनुचित का बोध आदि है। इससे प्रतीत होता है की पूर्व वैदिक युग में शिक्षा के उद्देश्य व्यावहारिक थे। बाद में, उपनिषद काल में, ज्ञान का उद्देश्य अधिक सूक्ष्म हो गया। विद्या को दो भागों में बांटा गया – परा विद्या और अपरा विद्या। अपरा विद्या में प्रायः समस्त पुस्तकीय तथा व्यावहारिक ज्ञान आ गया। केवल ब्रह्म विद्या को परा विद्या माना गया। परा विद्या श्रेष्ठ मानी गई क्योंकि उससे मोक्ष प्राप्त होता है। मोक्ष शिक्षा का अंतिम उद्देश्य हो गया। लेकिन यह लक्ष्य आदर्श ही रहा होगा, न की व्यावहारिक, क्योंकि मोक्ष सभी के लिए साध्य नहीं हो सकता। इतिहासकार ए.एस.अल्तेकर ने वैदिक शिक्षा के व्यावहारिक उद्देश्य बताये हैं जो निम्नलिखित हैंसत्यवादिता , संयम , व्यक्तिगत शील , सफाई , शांत स्वभाव और उदारता आदि अच्छे चरित्र के गुण किसी भी पेशे – पुरोहित , शिक्षक , चिकित्सक , राजसेवक, व्यापारी या सैनिक - के लिए बुनियादी आवश्यकता के रूप में प्राचीन ग्रंथों में निर्धारित किये गए हैं। शिक्षा का उद्देश्य इन गुणों का विकास करना था। मनुस्मृति में कहा गया है कि निर्मल चरित्र का ब्राह्मण सभी वेदों का ज्ञान रखने वाले दुश्चरित्र ब्राह्मण से अच्छा होता है। शिक्षा आरम्भ करने के पूर्व उपनयन संस्कार होता था जिसमें भावी विद्यार्थी को नैतिक आचरण के नियमों का पालन करने का उपदेश दिया जाता था। इसी तरह शिक्षा के समापन पर भी गुरु उपदेश देता था।

उदाहरण के लिए तैत्तिरीय उपनिषद से दीक्षांत भाषण एक अंश उद्धृत है :

सच बोलो, धर्म का आचरण करो, वेदों का प्रतिदिन अभ्यास करो, माता पिता को देवतुल्य समझो, गुरु को देवतुल्य समझो। अतिथि को देवतुल्य समझो।''

प्रत्येक शिक्षार्थी को आत्मनिर्भरता , आत्म - संयम और जीवन में वर्ण और आश्रम के अनुरूप आचरण करने का कौशल सिखाया जाता था। विद्यार्थी भिक्षा मांगकर और शारीरिक श्रम करके अपना और गुरु के परिवार का भरण-पोषण करते थे। इससे आत्म-निर्भरता उत्पन्न होती थी। संयम विद्यार्थी-जीवन ही नहीं समस्त जीवन का अनिवार्य अंग था और शिक्षा जीवन में इस पर बहुत बल दिया जाता था। अपने वर्ण से सम्बंधित कार्य कुशल ढंग से कर पाने की सामर्थ्य शिक्षा द्वारा दी जाती थी। साथ ही यह भी सिखाया जाता था कि विभिन्न आश्रमों डगृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास. में किस तरह आचरण करना होगा। अथर्ववेद के ब्रह्मचर्य सूक्त में कहा गया है की गुरु, शिक्षार्थी को दुबारा जन्म देता है, अर्थात उसका मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक कायाकल्प कर देता है।ः

शिक्षा को गृहस्थ जीवन की भूमिका माना जाता था। गृहस्थ के अतिरिक्त सभी अन्य आश्रमों वाले व्यक्ति अपनी भौतिक आवश्यकताओं के लिए गृहस्थ पर निर्भर होते थे। इस तरह गृहस्थ न केवल अपने परिवार बल्कि अन्य वर्णों का भी पालन करता था। गुरु शिक्षार्थी को समाज में अपनी यह भूमिका निभाने में सक्षम बनाता था। इसके अतिरिक्त समाज को चलाने के लिए आवश्यक राजसेवक, न्यायाधीश, व्यापारी, पुरोहित तथा अन्य कुशल व्यक्ति गुरुकुलों द्वारा ही तैयार किये जाते थे।

आरम्भ में आर्यों को लिपि का ज्ञान नहीं था। समाज के सामने चुनौती थी की किस तरह मौखिक रूप से पीढ़ी-दर-पीढ़ी वेदों को अपने मूल रूप में सुरक्षित रखा जाय। भारत के प्राचीन गुरुकुलों की यह विलक्षण उपलब्धि थी कि वैदिक साहित्य लगभग दो हजार साल तक मौखिक रूप में जीवित ही नहीं, अक्षुण्ण भी रखा। वैदिक शिक्षा व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि पर बल देती थी। शिक्षित व्यक्ति को साहित्य, कला, संगीत आदि की समझ होनी चाहिए। उसे जीवन के उच्च आदर्शों का ज्ञान भी होना चाहिए। मात्र जीविकोपार्जन शिक्षा का उद्देश्य नहीं है। कालिदास ने कहा है कि जो विद्या का उपयोग केवल कमाई के लिए करते हैं वे विद्या के व्यापारी हैं जिनकी विद्या बिकाऊ माल भर है। वैदिक-संस्कृति ने आज भी कालान्तर से आज तक अपने अस्तित्व को बनाये रखा है , संस्कृति आज भी उतनी ही सशक्त , सुब्यवस्थित , सुसंगठित और अनुशासित है, जितनी कि सृष्टि के उदय के समय जो आश्चर्यजनक परन्तु अटल सत्य भी है 'वैदिक संस्कृति सिन्धु घाटी सभ्यता के बाद अस्तित्व में आई, इसकी जानकारी वेदों से मिलने के कारण इसे वैदिक संस्कृति कहा जाता है। वैदिक शिक्षा भारत की सबसे प्राचीन शिक्षा व्यवस्था है। भारत में अतीत से ही वैदिक शिक्षा का प्रचलन था। जिस समय विश्व में शिक्षा नाम की कोई चीज नहीं थी उस समय भारतीय समाज में वैदिक शिक्षा का प्रचलन था। वैदिक शिक्षा गुरुकुल में हुआ करती थी, शिष्य अपने गुरु के सानिध्य में रहकर शिक्षा प्राप्त किया करता था।आज शिक्षा एक व्यवसाय बन गया है और गुरूनाम की क़ोई चीज नहीं है पहले एक सम्बन्ध था आज पैसा एक सम्बन्ध हो गया है। नालंदा विश्व विद्यालय तो 600साल के बाद पुनः खुल गया लेकिन गुरू शिष्य परंपरा 600साल भी कायम रहती है ऐ एक प्रश्नचिन्ह है अगर नहीं तो ऐसे विश्वविद्यालय कहीं भी खोलें जा सकते हैं।

भारतीय सेना महान है

जी हाँ भारतीय सेना का गौरव विश्व में सर्वश्रेष्ठ है इसका मैं उदहारण मैं अपने जीवन में अतीत में हुए कुछ घटनाओ से देना चाहता हूँ सन 1994 की घटना जब मेरी उम्र करीब 23साल की थी तो ग्रेजुएशन लेवल पर सेना के सर्विस कमीशन में अफसर हेतु एसएसबी हेतु भोपाल में आमंत्रित किया गया और स्लीपर क्लास का रेलवे का आने जाने का भाड़ा मिला जब मैं भोपाल गया तो शहर से दूर पहाड़ी पर चलते हुए सेना का कैंप मिला वहाँ रेस्ट्रिक्टएड जोन था एडमिट कार्ड दिखाने पर अंदर आने की अनुमति मिली सुबह एसएसबी का इंटरव्यू होने वाली थी दोपहर करीब 2बजे पहुँचा कुछ लोग और पहुंचे और शाम होते होते लगभग सारे लोग पहुँच चुके थे क्योंकि एक दिन पहले रीपोर्ट करने को कहा गया था अतः शाम में एक ऑफिसर आया और सबसे रूबरू हुआ कुछ साउथ के कैंडिडेट हवाई चप्पल पहने थे उनको सफेद जूता या अच्छे चप्पल पहनने की हिदायत दी और रात में कहाँ मिलता इसलिए सफेद या स्पोर्ट शू (जूते) जो पहले ही लिखित रूप में लाने को कहा गया था लेकर आए थे वही पहन लिए पोशाग जो गन्दा था उसे बदलने व साफ सुथरा कपड़ा पहनने का आदेश दिया गया ऐ होता है पर्सनालिटी डेवलपमेंट में कपड़ो व जूते का महत्व और अच्छा भी है और इसपर उन्होंने ऐ तर्क दिया की यदि आप किसी ड्राइवर के साथ कहीं निकलते है तो सेना में किसी के बारे में पूछने का इतना समय नहीं होता और ऐसे में अगर ड्राइवर ने आपसे अच्छे कपड़े पहन लिए तो वही अफसर देखने में लगेगा और आप ड्राइवर हालांकि ऐसा कंफ्यूजन कम होता है क्योंकि आपका नेम प्लेट भी सेना की वर्दी में लगा होता है लेकिन अगर लूज़ पैंट और कपड़े पहनने में लग गए तो आपको समय कपड़े को सँभालने में ही लगा रहेगा अतः वेल मेन्टेन होना जरुरी है भारतीय शस्त्र सेना में तीन प्रभाग हैंः भारतीय थल सेना, भारतीय नौ सेना और भारतीय वायु सेना।

सेना का कार्य बाह्य संकट, आंतरिक खतरों, अस्थिरता आदि को रोकना है तथा शांति स्थापना की कार्रवाईयाँ, मित्र देशों को सैन्य सेवा प्रदान करना तथा मानवीय सेवा करना, आपदा राहत कार्यों में नागरिक अधिकारियों को सहायता देना है। भारतीय सेना के लड़ाके हथियार / शस्त्र या उपकरण हैं- बख्तरबंद गाड़ियाँ पैदल और मेकेनाइज्ड सेना ।रक्षा के क्षेत्र में करियर देश में सबसे प्रतिष्ठित एवं सम्मानित करियर में से एक माना जाता है।भारतीय थल सेना का सैल्यूट एकदम हाथ खोल के होता है जिसका कारण ये है कि वो ये दिखाना चाहते है कि उनके हाथ में कोई हथियार नहीं है भारतीय नौसेना का सैल्यूट नीचे हाथ रख के होता है ,पुराने ज़माने में ऐसा माना जाता है कि नाविक और नौसैनिक जहाज पर काम करते करते मशीन को हाथ लगते हुए अपने हाथ ग्रीज और ऑयल के कारण गंदे हो जाते थे , तथा वो यही गंदे हाथ छुपाने के लिए अपना हथेली नीचे कर के सैल्यूट करते हैं।

वायुसेना का सैल्यूट (को मुझे सबसे आकर्षक लगता है) वो थोड़ा 45 डिग्री मोड़ पर रहता है , जिसका तात्पर्य यह है कि वो अपने आसमान में उड़ते हुए वायुयान की तरह ऊंचाई को छूना चाहता है :-) ऐसे युवा जो उत्साह, साहस एवं चुनौतियों से भरे क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए रक्षा क्षेत्र सबसे बेहतर विकल्प है क्योंकि यह उनकी सारी पेशेवर उम्मीदों की पूर्ति करता है। भारतीय सशस्त्र बल समान रूप से पेशेवर सेवाएँ देने वाला भारत का सैन्य बल है जिसके अंतर्गत भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना एवं भारतीय तटरक्षक बल आते हैं। विभिन्न अर्ध-सैनिक बल संगठन एवं अंतर-सेवा संगठन भारतीय सशस्त्र बलों को सहायता प्रदान करते हैं। रक्षा मंत्रालय भारतीय सशस्त्र बलों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है।भारतीय सेना महान है मैं नमन करता हूँ। (लेखक - -संजय गोस्वामी/ईएमएस)

सीबीआई जांच, भैंस गई पानी में

नीट परीक्षा 'व्यापम' से ज्यादा ''व्यापक''

*व्यापम कांड की व्यापकता!

पेपर लीकेज की गंभीरता को समझने के लिए इसी तरह का कांड व्यापम की गंभीरता को समझ लीजिए। याद कीजिए! लगभग 10 साल से ज्यादा बीत चुके वर्ष 2013 में हुआ आजाद भारत के मध्य प्रदेश का विश्व व्यापी बहुचर्चित ''व्यापम'' (व्यावसायिक परीक्षा मंडल) कांड जिसमें लगभग 50 से अधिक छात्रों, गवाहों, पत्रकारों, आरोपियों की ''संदिग्ध'' मृत्यु, आत्महत्या, हत्या या दुर्घटना? द्वारा हुई थी। हजारों (5288) अभ्युक्तियों के खिलाफ सैकड़ों अपराधिक प्रकरण चल रहे हैं, जिनमें से सैंकडों आरोपी अभी भी फरार है। परंतु दुर्भाग्यवश मामला अंतिम परिणाम तक वास्तविक अपराधी ह्क्ङ्दिंलु%छुच्चूह्ह के विरुद्ध नहीं पहुंच पाया। ऐसा ही एक कांड नीट परीक्षा पेपर लीक कांड (वर्ष 2024) जिसके परिणाम 4 जून को आए, जिसकी छात्रों की दृष्टि से चिंता राष्ट्रव्यापी चर्चा का विषय बनी हुई है। मध्य प्रदेश के व्यापम कांड की तुलना नीट के परीक्षा से इसलिए भी की जा सकती है, क्योंकि नीट परीक्षा का संचालन करने वाली संस्था एनटीए के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप जोशी भी मध्य प्रदेश के ही हैं। आईये! इस नीट पेपर कांड की कुछ परतें खोलने का प्रयास करते हैं।

*'एनटीए का गठन कब और क्यों?'

विभिन्न राज्यों में पेपर सेट करने की विभिन्न एजेंसीज होने से होने वाली अनेक गड़बड़ियां, अनियमितताएं तथा पेपर लीकेज के रोकथाम के लिए वर्ष 2017 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए एकल स्वायत्त स्वतंत्र एजेंसी का गठन करने की घोषणा की थी, ताकि प्रवेश परीक्षाओं को दोषमुक्त किया जा सके। परिणाम स्वरूप 1 मार्च 2018 को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) (राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी) अस्तित्व में आयी।

*'एनटीए'' के गठन से लेकर अभी तक के प्रमुख पेपर लीक प्रकरण।'

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के गठन के बाद से ही दुर्भाग्यवश तकरीबन हर साल परीक्षा में गड़बड़ी और धांधली के आरोप लगे हैं। यानी एनटीए ''अकड़ी मकड़ी दूधमदार, नजर उतर गई पल्लेपार'' कराने वाली एजेंसी मात्र बन कर रह गयी है। पिछले 5 सालों में एनटीए की लगभग 60 परीक्षाओं में से लगभग 12 परीक्षाओ में पेपर लीक या अन्य गड़बड़ियों पायी गई। साल 2019 में जेईई मेंन्स के दौरान छात्रों को सर्वर में खराबी होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। साथ ही कुछ जगहों पर छात्रों ने प्रश्न पत्र में देरी की भी शिकायत की थी। नीट अंडरग्रेजुएट मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम 2020 में एनटीए पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। परीक्षा को कई बार स्थगित करना पड़ा था। साल 2021 में जेईई मेन्स के एग्जाम में कुछ गलत प्रश्न को लेकर भी हंगामा देखने को मिला था। 2021 में ही नीट परीक्षा में राजस्थान के भांकरोटा में सॉल्वर गैंग द्वारा गड़बड़ी करने का मामला सामने आया था। विभिन्न केंद्रीय, राज्य, प्राइवेट और डीम्ड यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटएंट्रेंस टेस्ट में साल 2022 में गड़बड़ी की शिकायतें हुई थीं। सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्थान से आई थी।

उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, बिहार, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, असम, अरुणाचल प्रदेश पश्चिम बंगाल और जम्मू कश्मीर..ये देश के वो 16 राज्य हैं, जहां पिछले 5 सालों में 41 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए जिससे लगभग 1 करोड़ 70 लाख छात्र प्रभावित हुए। यानी परीक्षा में पेपर लीक की महामारी देशभर में फैली हुई है, क्योंकि कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है। ''इस हमाम में सब नंगे हैं'' वरना ''ऊंट की चोरी निहुरे निहुरे तो हो नहीं सकती''।

*''शून्य त्रुटि'' परीक्षा के लिए प्रतिबद्ध सरकार की नाक के नीचे गड़बड़ियां।

18 जून को हुई यूजीसी-नीट की परीक्षा भी रद्द की जा चुकी , थीं । तथापि कारण जनसाधारण को बतलाए नहीं गए हैं। इस तरह एनटीए की स्थापना के 6 सालों में सिर्फ 2 बार, साल 2018 और 2023 में पेपरलीक और गड़बड़ी की शिकायत नहीं आई? मतलब शिक्षा क्षेत्र के विकास की स्थिति नहीं मिली? अब यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो चुकी है कि नीट परीक्षा में ग्रेस मार्क से लेकर ओएमआर शीट व फायनल स्कोर कार्ड में अंतर, 67 उम्मीदवार को 720 में से 720 अंक, एक ही सेंटर से 6 उम्मीदवारों को नम्बर वन ऑल इंडिया रेंकिग, ग्रेस मार्क सहित 718-719 अंक संभव नहीं, सिलेबस व आंसर के हिसाब अलग-अलग आंसर गलत प्रश्नपत्र का बंटना, अंतिम तिथि 9 मार्च तक रजिस्ट्रेशन के बाद फिर अचानक 8 अप्रैल को रजिस्ट्रेशन खोलना, नियत तिथी 13 जून के पूर्व ही 4 जून जिस दिन लोकसभा चुनाव के परिणाम आ रहे थे, परिणाम घोषित कर देना, आदि आदि गड़बडियां, धांधलीयां सामने आ चुकी हैं। गड़बडियों की भयानकता व व्यापकता इतनी विशाल पैमाने पर हुई है कि विभिन्न राज्यों के लगभग 20 हजार छात्रो ने उच्चतम न्यायालय एवं विभिन्न उच्च न्यायालयों में नीट के विरूद्ध याचिका दायर की है। उत्तर प्रदेश के विधायक बंदीराम जो पूर्व में पेपर लीक के मामले में दो बार जेल जा चुके है, का नाम फिर से इस पेपर लीक कांड में सुर्खियों में आया है। सीबीआई ने पहली दो महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां मनीष प्रकाश एवं आशुतोष की पटना से की हैं।

नैतिक जिम्मेदारी स्वीकारी! परंतु मात्र संकेतात्मक?

अंततः शिक्षा मंत्री को इन अनियमितताओं व गड़बडियों को देखते हुए नैतिक जिम्मेदारी वह भी मात्र ''शब्दों'' के द्वारा ''कार्य रूप'' में नहीं? स्वीकार करना पड़ा। एनटीए को क्लीन चिट देने में की गई जल्दबाजी को भी स्वीकारा। मगर अब भी लगता नहीं कि ''शुतुरमुर्ग ने रेत में से सर निकाल लिया''। अंततः इस गड़बड़ी को रोकने एवं पारदर्शिता लाने के लिए 7 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति आईएसआरओ के पूर्व चेयरमेन के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में गठित की गई है।

परिणाम स्वरूप एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया गया। यद्यपि उनके खिलाफ न तो कोई आरोप लगाया गया है और न ही अभी तक कोई जांच बैठाई गई है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पेपर लीक को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 लाने को मंजूरी दे दी है, जिसमें उम्र कैद तक की सजा का प्रावधान है। साथ ही मध्य प्रदेश में भी पेपर लीक व अन्य गड़बड़ियों को रोकने के लिए सरकार एक अध्यादेश ला रही है, जिसमें एक करोड रुपए तक जुर्माने एवं 10 साल तक की सजा का प्रावधान रखा गया है। हालत यह है कि जैसे ''बंदरिया मरे बच्चे को भी सीने से चिपकाए रहती है'', इतना सब होने के बावजूद एनटीए की 'उपयोगिता' पर तथा उसकी विश्वसनीयता खत्म होने के लिए कौन जिम्मेदार है, कोई सार्थक प्रश्नवाचक चिन्ह नहीं उठ रहा है?

*राष्ट्रीय चिंता एवं चिंतन कब?

उपरोक्त फायदे के साथ परीक्षा लीक का एक बड़ा महत्वपूर्ण नुकसान जरूर जेहन में आता है कि यह राष्ट्रीय चिंता एवं चिंतन का विषय होना चाहिए? जो नहीं है। एनटीए की परीक्षा प्रणाली के मजबूत तंत्र में कोई ''दरार'' होकर ''लीकेज'' हो जाती है। जहां प्रारंभ में शिक्षा मंत्री ने नीट पेपर में किसी भी प्रकार की गड़बडी से बिल्कुल इंकार किया था। कुछ समय बाद फिर दो जगहों पर अनियमितताओं की जानकारी बात कही। फिर प्राथमिकी दर्ज हुई। फिर अभी तक (बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, गुजरात से) लगभग 40 से अधिक गिरफ्तारी हो चुकी है। तथापि किंगपिन संजीव मुखिया अग्रिम जमानत कराने के ''कवरेज'' में है। फिर मामला अंततः सीबीआई को सौंपा गया। यानी ''गयी भैंस पानी में''। 1563 ग्रेस अंक पाने वाले विद्यार्थियों के लिए एनटीए ने पुनः परीक्षा कराई है। इस प्रकार चरणबद्ध रूप से यह स्वीकृति इस बात को प्रदर्शित करती है कि एनटीए संस्थान में चूना लगाने वाले कुछ ''अति बुद्धिमान'' लोग हमारे तंत्र में मौजूद है, जो ''देशी शत्रु'' हैं। चिंता का विषय यह है कि इन तंत्रों का उपयोग कर विदेशी शत्रु देश हमारे देश की सुरक्षा लीक करवाकर कहीं खतरा तो पैदा नहीं कर देगें? इस बात की गहन चिंता प्रत्येक नागरिक को जरूर होना चाहिए, जिसको रोकने के लिए सरकार को इस तरह के संवेदनशील तंत्रों को ''लीक-प्रूफ'' बनाने की नितांत आवश्यकता है। इसके लिए विद्यमान समस्त कमियों को दूर करने की नितांत आवश्यकता है।

*''केन्द्रीय सरकार'' व ''उच्चतम न्यायालय''। ''असमंज'' की स्थिति।

अंत में सबसे आश्चर्य की बात यह भी है कि उपरोक्त गड़बड़ियां के बावजूद न तो उच्चतम न्यायालय ने और न ही केन्द्रीय सरकार ने नीट परीक्षा को निरस्त करने का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। यदि काउंसलिंग के बाद पेपर निरस्त किया जाता है जिसकी पूर्ण संभावना दिख रही है। उच्चतम न्यायालय द्वारा तुरंत लगातार सुनवाई न करना, काउंसलिंग पर रोक न लगाने से यह लगता है कि कहीं न कहीं स्थिति की गंभीरता को उच्चतम न्यायालय नहीं ले रहा है। ठीक वैसे ही जब उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग में सदस्यों की नियुक्ति के संबंध में बनाये गये कानून की वैधता पर सुनवाई चुनाव के बाद करने की कही थी।(लेखक- राजीव खण्डेलवाल/ईएमएस) (लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले होने की उम्मीद : पॉल-एरिक

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) के प्रमुख पॉल-एरिक ने कहा है कि अगले साल भारत में होने वाले विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगी। होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में काफी अच्छी प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजन और भी अहम होगा। '' उन्होंने कहा, ''भारतीय बैडमिंट संघ (बीएआई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।''

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। (बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था।

पेपर लीक, व्यवस्था वीक!

जोड़-तोड़ की सरकार अब भरोसे के लायक भी नहीं बची है। युवाओं के साथ खेल इस तरह से खेला जा रहा है कि परीक्षार्थी अब सुनहरे सपने के बजाय आज़ादी के अमृत काल में विषपान को विवश हो रहे हैं। दुर्दांत अपराधी हैं, जो युवाओं के वर्तमान और भविष्य के साथ खेल रहे हैं, लेकिन उस रहनुमाई व्यवस्था को लेकर क्या कहा जाए जो दावा तो आज़ादी के अमृतकाल और अच्छे दिनों का करती है? ऐसे में कहां गए उसके वो दावे और वादे, जिसकी बिसात पर सत्ता की मद में आमद होकर सियासतदानों ने एक दशक के क़रीब करोड़ों-अरबों रुपए बना लिए, लेकिन युवाओं को मिला तो सिर्फ़ खोखले वादे और पेपर लीक वाली सरकारी व्यवस्था! पेपर लीक किसी एक सरकार में उपजी कोई फौरी समस्या नहीं है, लेकिन बनी-बनाई व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ाने का काम आज़ादी के अमृतकाल के नाम पर हो, तो शोक सभा व्यवस्था और व्यवस्थापक दोनों के नाम पर होना चाहिए। शब्दों का मायाजाल थोड़ा चुभने वाला हो सकता है, लेकिन परीक्षा का जो भ्रमजाल बनाकर युवाओं का भविष्य, उनका वर्तमान, उनका समय और उनका परीक्षा फॉर्म के नाम पर पैसा बर्बाद किया जा रहा उससे कहीं कम है सरकारी तंत्र के लिए इन शब्दों की चुभन। दर्द जब बेइंतहा उठने लगें तो उसकी वेदना में सरकार और उसका सरकारी तंत्र दोनों बेईमानी लगता है।

वर्तमान समय का आलम कुछ यूं ही है। सरकारी तंत्र ने नेट की परीक्षा रद्द करने का एक फरमान जारी किया है। वह भी आज़ादी के अमृतकाल वाले लैटर हैड पर। अब ज़रा सोचिए आज़ादी का ये कैसा अमृत महोत्सव है? जहां युवाओं को पिलाया ज़हर का घूंट जा रहा। निःसन्देह युवाओं की वेदना, पीड़ा और रुदन किसी विष का पान करने से कम नहीं है। पहले नीट की परीक्षा में धांधली और अब नेट की परीक्षा रद्द। उसके बाद लगातार राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं जैसे सीआईएसआर नेट का स्थगित होना। ये साबित करता है कि देश में सरकारी पात्रता परीक्षाओं का हाल ऐसा है, जैसे किसी मुहल्ले के स्कूल की परीक्षा। सच पूछिए तो इतनी धांधली तो राज्यस्तरीय परीक्षाओं में नहीं होती। जितना अब राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में धांधली हो रही है। नीट परीक्षा का आलम यह हुआ कि औने-पौने हिसाब से नंबर बांट दिया गया। नीट परीक्षा में नंबर इस तरह से प्रसाद में बांटे गए जैसे किसी सत्यनारायण कथा के बाद प्रसाद। वैसे महंगाई के इस दौर में प्रसाद भी सोच-समझकर बांटा और बनवाया जाता है, लेकिन एक हमारे देश की शिक्षा-व्यवस्था है। जहां सोच-समझकर लगता है कोई काम नहीं हो रहा। परीक्षा फॉर्म के नाम पर करोड़ों-अरबों रुपए बार-बार वसूले जाते हैं। साल-दो साल के भीतर परीक्षा फॉर्म के लिए लगने वाली फ़ीस बढ़ा दी जाती है, लेकिन युवाओं के जीवन में परीक्षा के बाद कोई सार्थक परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। तभी तो युवाओं का भविष्य अंधकार में है और मजबूत और सुरक्षित हाथों में जिसके देश की सरकार है। वो नेट जैसी परीक्षा को रद्द करवाकर जांच सीबीआई को सौंपकर ही भारत माता भाग्य विधाता की धुन में मदमस्त है।

राजस्थान, मध्यप्रदेश जैसे तमाम राज्य हैं। जहां की प्रादेशिक परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक जैसी समस्याएं आम बात रही हैं, लेकिन अब राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं और एनटीए जैसा बड़ा संगठन अगर परीक्षाएं बेहतर तरीके से नहीं करवा पा रहा है तो उसकी प्रसांगिकता पर सवाल उठना लाज़िमी है। वैसे भी नेट की परीक्षा केवल सरकारी खजाना भरने के अलावा ज्यादा महत्व रखता नहीं, क्योंकि हर छह महीने में 10 लाख के क़रीब अभियार्थी फॉर्म भरते हैं और परीक्षा के बाद का लब्बोलुआब सिर्फ़ एक सर्टिफिकेट होता है। जिसके बाद न तो पीएचडी में एडमिशन मिलता और न ही अस्सिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति। ऐसे में रहनुमाई व्यवस्था और उनके सिपह-सालारों से सवाल यही है कि क्या उनके बच्चों के भविष्य के साथ ऐसे खिलवाड़ होता तो उनके आंखों का पानी मरा रह पाता? सवाल बहुतेरे हैं, लेकिन जवाब देने से अब सत्ता और सत्ताधीश डरते नहीं या देना चाहते नहीं हैं। तभी तो कई मर्तबा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी सवाल उठता है। वैसे अब बात सिर्फ़ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं, जीवन जीने की स्वतंत्रता और जीवन में सफल होने की चुनौती बहुत बड़ी हो चली है, क्योंकि सरकारी नौकरी ही आज की सामाजिक व्यवस्था में सर्वस्वीकार्य है और उसके लिए आयोजित परीक्षाएं ही धांधली की शिकार है। सियासतदां, युवाओं का दर्द समझ नहीं सकते, क्योंकि उनके बच्चें या तो बड़े राजनीतिक पद पर है या बिज़नेस में हैं। वरना विदेश में नेताजी की कमाई से उच्च गुणवत्ता की शिक्षा अर्जित कर रहे हैं। ऐसे में एक कहावत याद आती है कि, जाके पाँव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई! (लेखिका- सोनम लववंशी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8055

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन, संपत्ति-2
7. इस युवती को ब्यान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय, फतह-2
10. आम जनता, लोग-2
11. लाभ, कुल योग-2
12. निर्माण, कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट, विनाश-2
17. स्तम्भे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह, अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध, रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत, मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी, गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. ओदार-5
9. लालसी, आकांक्षी, पिपासु-5
10. खीलखुल, खींच-3
12. वृतांत, घटना-3
13. निराश, नगर-4
16. हल, निष्कर्ष-4
17. राशन, भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट, अवरोध-3

शब्द पहेली -8054 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

अभी आईपीएल खेलते रहेंगे रोहित

बारबाडोस (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अभी आईपीएल खेलते रहेंगे। जिस प्रकार से रोहित ने विश्वकप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था उसके बाद ही अटकलें लगायी जा रहीं थीं कि वह आईपीएल को भी अलविदा कह सकते हैं पर रोहित ने इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। रोहित ने कहा, मैंने इस समय टी-20 से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोचा था पर जिस तरह के हालाते थे उसमें मुझे लगा कि मेरे लिए टी-20 को अलविदा कहने के लिए यह बिल्कुल सही सही समय है पर मैं आईपीएल पक्के तौर पर खेलूंगा।

रोहित ने भारत को 2024 का टी20 विश्व कप खिताब दिलाने के बाद ही टी20 क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। 2007 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले रोहित को अब तक आयोजित हर टी20 विश्व कप में खेलने की उपलब्धि मिली है। जहां तक आईपीएल की बात है रोहित की कप्तानी में टीम को पांच खिताब मिले हैं पर 2024 सत्र में उन्हें अचानक ही टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था। इसके बाद से ही माना जा रहा है कि अब आईपीएल के अगले सत्र में वह किसी और टीम से भी खेल सकते हैं। रोहित शर्मा ने आईपीएल 2024 के 14 मैचों में 150 के स्ट्राइक रेट और 32.08 के औसत से से 417 रन बनाए हैं।. वहीं आईपीएल के कुल 257 मैचों में रोहित ने 6628 रन बनाए हैं।

श्रीलंका दौरे पर नये कोच के साथ जाएगी भारतीय टीम, जिम्बाब्वे दौरे पर अंतरिम कोच होंगे लक्ष्मण : जय शाह

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि नये मुख्य कोच का फैसला श्रीलंका दौरे से पहले ही हो जाएगा। ऐसे में नये कोच के साथ ही टीम श्रीलंका दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इसी माह के अंत में तीन मैचों की टी20 और तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका जाएगी। टी20 विश्व कप 2024 के साथ ही मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का अनुबंध समाप्त हो गया था और द्रविड़ ने अपना कार्यकाल आगे बढ़ाये जाने से इंकार कर दिया था। शाह ने कहा कि क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने पहले ही दो लोगों का साक्षात्कार लिया है और आने वाले समय में बीसीसीआई के सदस्य इस बारे में घोषणा करेंगे। शाह ने कहा कि जिम्बाब्वे दौर पर भारतीय टीम अंतरिम कोच वीवीएस लक्ष्मण के साथ जाएगी। भारतीय टीम को श्रीलंका दौरे से पहले जिम्बाब्वे दौरे पर जाना है।

शाह ने कहा, कोच और चयनकर्ता दोनों की नियुक्तियां जल्द ही की जाएंगी। सीएसी ने साक्षात्कार लिया है और दो नामों को अंतिम रुप दिया है। साथ ही कहा कि जो भी सीएसी ने तय किया है, उसी के अनुसार फैसला होगा। वहीं माना जा रहा है कि मुख्य कोच की जिम्मेदार गौतम गंभीर को मिलेगी।

आईसीसी की विश्वकप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में रोहित सहित छह भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विश्वकप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा कर दी है। इसमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंडया सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। हैरानी की बात ये है कि इसमें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है जबकि विराट ने टी20 विश्वकप के फाइनल में शानदार पारी खेलते हुए 76 रन बनाये थे। आईसीसी की इस टीम में भारत की ओर से कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, के अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंडया और अर्शदीप सिंह व जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को भी शामिल किया गया है। अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ी, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के 1-1 खिलाड़ियों को इस टीम में शामिल किया गया है.

वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया को 12वें खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। दक्षिण अफ्रीक के विश्वकप में 15 विकेट लिए थे।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहली बार विश्वकप जीता। रोहित ने इस टूर्नामेंट में 3 अर्धशतकों की सहायता से कुल 257 रन बनाए। वहीं विश्वकप फाइनल में शानदार बल्लेबाजी करने के अलावा डेडिड मिलर का कैच पकड़ कर मुकाबला भारतीय टीम की ओर करने वाले सूर्यकुमार यादव को भी टीम में जगह मिली है। जसप्रीत बुमराह ने विश्व कप में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 4.17 की इकोनोमी से रन दिए और 15 विकेट लिए। इसके अलावा युवा अर्शदीप सिंह ने 17 विकेट लेकर इस विश्व कप में रिकॉर्ड बनाया।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने 169 रन बनाने के साथ साथ 10 विकेट भी चटकाए। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। पंडया के प्रदर्शन भी गेंद और बल्ले से अच्छा रहा। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। वहीं अफगानिस्तान की ओर से विश्वकप में शानदार शुरुआत करने वाले रहमनुल्लाह गुरबाज को भी इस टीम में रखा गया है। गुरबाज ने तीन अर्धशतकों की सहायता से 281 रन बनाए थे। गुरबाज ने 124.33 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इसके अलावा वेस्टइंडीज के विकेटकीपर निकोलस पूरन को भी इस टीम में शामिल किया गया है। निकोलस ने 228 रन बनाये और उनका स्ट्राइक रेट 146.15 रहा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने 14 विकेट इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा अफगान तेज गेंदबाज फजहलक फारूकी ने इस विश्व कप में 17 विकेट लिए। उनकी सर्वश्रेष्ट गेंदबाजी 9 रन देकर 5 विकेट रही।

आईसीसी की टी20 विश्व कप टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा, रहमनुल्लाह गुरबाज, निकोलस पूरन, सूर्यकुमार यादव, मार्कस स्टोइनिस, हार्दिक पंडया, अक्षर पटेल, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, फजहलक फारूकी.

तूफान के कारण भारतीय क्रिकेट टीम बारबाडोस में फंसी

मुम्बई (ईएमएस)। खराब मौसम और तूफान के कारण टी20 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज में ही फंस गयी है। टीम की जीत के बाद से ही भारत में जहां प्रशंसक उसका इंतजार कर रहे हैं। वहीं टीम अबतक बारबाडोस में ही रुकी हुई है। बारबाडोस में विश्व कप फाइनल के बाद से मौसम इतना खराब है कि खिलाड़ी होटल के कमरे से भी बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। वहीं मौसम विभाग ने बारबाडोस में चक्रवाती तूफान की आशंका जताई है और इसको लेकर हाई अलर्ट जारी किया गया है। इसके कारण अभी सारे हवाई अड्डे बंद हैं। तूफान की वजह से पूरे इलाके में कर्फ्यू जैसे हालात हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय होटल में 70 लोग हैं। जैसे ही मौसम कुछ ठीक होगा। टीम को किसी चार्टर उड़ान से वापस भेज दिया जाएगा। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि भारतीय टीम जहां ठहरी है वहां के हालात सही नहीं है। इसके कारण भारतीय टीम को कतार में लगकर कागज की प्लेटों में खाना दिया जा रहा है।

विराट-रोहित की जगह भरना होगा मुश्किल : बिन्नी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के टी20 से संन्यास लेने के बाद से ही चिन्तित हैं। बिन्नी का कहना है कि रोहित और विराट तो टीम से अलग हो गये हैं पर सबसे बड़ी समस्या है कि इन दोनो की भरपाई किस प्रकार की जाएगी। साथ ही कहा कि इसमें भारतीय टीम को दो से तीन साल का समय भी लग सकता है। उन्होंने कहा, आईपीएल के माध्यम से बहुत सारे क्रिकेटर आ रहे हैं पर इसके बाद भी रोहित और विराट के अनुभव को देखते हुए इस अंतर को पाटने में कुछ समय लगेगा ही क्योंकि टीम को शीर्ष तक पहुंचने में इन दोनो की ही अहम भूमिका रही है।

वहीं टीम के अगले कोच के तौर पर में बिन्नी ने कोई साफ संकेत नहीं दिये। उन्होंने कहा कि अभी तक हमारे पास कोई भी ठोस जानकारी नहीं आई है। इस मामले को क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) देख रही है। वहीं पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर की दावेदारी को लेकर कहा कि गंभीर के पास काफ़ी अनुभव है और उन्होंने कई टीमों के साथ काम किया है।

शमी ने विश्वकप की जीत पर कहा , लोगों की दुआएं सफल रहीं

अमरोहा (ईएमएस) तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भारतीय टीम की टी20 विश्वकप जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि देश भर की दुआएं और अपनों के प्यार से ही ये सफलता मिली है। शमी ने इस अवसर पर देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि 13 साल के इंतजार आंखिरकार समाप्त हुआ और विश्वकप हमारे पास वापस आ गया। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा लगा था कि भारतीय टीम के हाथ से टॉफी फिर निकल जाएगी पर इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा ,विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के संन्यास को लेकर कहा कि खेल के किसी भी प्रारुप से संन्यास की घोषणा एक खिलाड़ी के लिए बहुत भावुक क्षण होता है। साथ ही कहा कि सभी खिलाड़ियों ने क्रिकेट और देश के लिए बड़ा योगदान दिया है।

बसपा का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा जाने का खतरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में बसपा का वोट शेयर गिरकर 3।66 से 2।04 प्रतिशत रह गया है। इससे उसका राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिनने का खतरा पैदा हो गया है। अगर राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा उससे छिना तो यह देश में दलितों की पार्टी मानी जाने वाली बसपा के लिए बड़ा खतरा होगा। इस समय देश में छह राष्ट्रीय पार्टियां बीजेपी, बीएसपी, कांग्रेस, नेशनल पीपुल्स पार्टी और माकपा हैं।

चुनाव चिन्ह (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 के मुताबिक राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा उस दल को मिलता है,जिसके पास पिछले आम चुनाव में चार या अधिक राज्यों में कुल वैध वोटों के कम से कम छह प्रतिशत वोट मिले हों या और या उसके कम से कम चार सांसद जीते हों या लोकसभा चुनाव में उसने कम से कम दो प्रतिशत सीटें जीती हों, ये सीटें उसने कम से कम तीन राज्यों से जीती हों या कम से कम चार राज्यों में एक मान्यता प्राप्त राज्य पार्टी हो।

बसपा 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में कोई सीट नहीं जीत पाई है। इस चुनाव में उसे केवल 2।04 प्रतिशत वोट ही मिले हैं।इस तरह वह राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा रखने के पहले दो मानकों पर खरी नहीं उतरती है।हालांकि लोकसभा चुनाव के अंतिम आंकड़े अभी तक प्रकाशित नहीं हुए हैं।

तीसरा मानक है पार्टी को चार या उससे अधिक राज्यों में क्षेत्रीय दल के रूप में मान्यता हो।लेकिन बसपा इस मानक को पूरा नहीं करती है।देश में 2019 के बाद से अब तक हुए चुनाव में बसपा ने केवल उत्तर प्रदेश में इस मानक को पूरा किया है। वहां उसने 2022 के विधानसभा चुनाव में 12।88 प्रतिशत वोट हासिल किया। वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में उसने राज्य स्तरीय पार्टी के मानक को पूरा किया है। वहां उसने 9।39 प्रतिशत वोट हासिल किया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 443 अंक, निफ्टी 131 अंक ऊपर आया

आईटी, धातु और वित्तीय शेयरों में आया उछाल

मुम्बई (ईएमएस)। आईटी, धातु और वित्तीय शेयरों में आये उछाल से घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी लिवाली (खरीददारी) हावी होने से बाजार में तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 443.46 अंक करीब 0.56 फीसदी की बढ़कर 79,476.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 131.35 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी उपर आकर अंत में 24,141.95 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और टीसीएस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं इंफोसिस, जेएसडब्लयू स्टील, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, मारुति, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एमएंडएम, टाटा स्टील और कोटक बैंक के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में 10 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इसमें एनटीपसी, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, रिलायंस, एक्सिस बैंक और अदाणी पोर्ट्स के शेयर भी नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी पीसीई मुद्रास्फीति में कमी के साथ सितंबर में फेड द्वारा दर में कटौती की उम्मीद बढ़ने से घरेलू बाजार में तेजी की उम्मीद से भी आईटी शेयरों में उछाल आया। वहीं दूसरी ओर व्यापक सूचकांक इंट्रा-डे कारोबार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.11 फीसदी बढ़कर बंद हुआ और अपने शीर्ष स्तर 46,696 के करीब पहुंच गया। वहीं बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स भी 1.58 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट शुरुआत हई। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया से प्राप्त मिले-जुले संकेतों से 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 44 अंक बढ़कर 79,077 के स्तर पर खुला। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 0.04 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ 24,019 पर खुला। दुनिया के बाजारों की बात करें तो एशिया-पेसिफिक बाजारों में अलग-अगल प्रकार का कारोबार देखने में आया। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई 225 0.42 फीसदी बढ़ा जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स 0.52 फीसदी बढ़ा। दूसरी ओर दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.27 फीसदी नीचे आया, हालांकि कोस्डैक 0.79 फीसदी बढ़ा। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 में 0.49 फीसदी की गिरावट रही। हांगकांग के बाजार अवकाश के कारण बंद रहे। अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। एसएंडपी 500 में 0.41 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 0.71 फीसदी की गिरावट रही।

2 हजार के 97.87 प्रतिशत नोट वापस आए.......7,581 करोड़ के नोट अभी बाहर

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि दो हजार रुपए मूल्य के 97.87 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आए हैं। चलन से बाहर किए केवल 7,581 करोड़ मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। चलन में 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य 19 मई 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपए था। यह 28 जून 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,581 करोड़ रुपए रह गया।

केंद्रीय बैंक ने कहा, इसतरह 28 जून 2024 तक 2000 रुपये के 97.87 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। सात अक्टूबर 2023 तक 2000 रुपए के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। 19 मई 2023 से 2000 रुपए के बैंक नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध रही।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय बाजार की तरह ही घरेलू बाजार में भी सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने के वायदा भाव 71,550 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 87,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी की वायदा कीमतों में गिरावट रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 24 रुपये बढ़कर 71,606 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 71,612 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,532 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस साल 74,442 रुपये के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 187 रुपये नीचे आकर 86,980 रुपये पर खुला। ये एक समय 167 रुपये नीचे आकर 87,000 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 87,068 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 86,906 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। कॉमेक्स पर सोना 2,336.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,339.60 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.44 डॉलर के भाव पर खुले। इनका पिछला बंद भाव 29.56 डॉलर था।

सेल ने रोक दिए......रेलवे के पहिये

नई दिल्ली (ईएमएस)। रेल मंत्रालय ने वित्त वर्ष 24 की अप्रैल-जून (पहली) तिमाही में भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) से रोलिंग स्टॉक विनिर्माण संचालन को सुचारू करने और आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कह दिया है। मामले से जुड़े अधिकारी ने बताया कि लाल सागर में जारी संकट से आयातित फोर्ज्ड व्हील की अस्थायी तंगी के तहत रेल मंत्रालय ने यह निर्देश जारी किया है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया सेल से पहियों की आपूर्ति कम हुई है। जून मध्य तक अप्रैल-जून तिमाही के महज 64 फीसदी की आपूर्ति हुई थी। अधिकारी के अनुसार महत्त्वपूर्ण आपूर्ति जैसे डब्ल्यूएपी-5 (ब्रॉड गेज इलेक्ट्रिक पैसेंजर यूनिट) के लोकोमोटिव व्हील और इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) के लिए एक्सेल की आपूर्ति भी समय से पीछे है। कई बार रिमाइंडर दिए के बावजूद लक्ष्य के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो रही है।

सेल ने रेल मंत्रालय को मार्च में 700 कोचिंग एक्सेल और 500 डब्ल्यूएपी-5 व्हील की आपूर्ति करने की प्रतिबद्धता जाहिर की थी। डब्ल्यूएपी का मतलब ब्रॉड गेज (डब्ल्यू), आल्टरनेटिंग करंट (ए), पैसेंजर ट्रैफिक (पी) लोकोमोटिव है और 5वीं पीढ़ी के लिए (5) का इस्तेमाल होता है। सेल ने अप्रैल-जून 2024 में विभिन्न तरह के पहियों के कुल ऑर्डर की 87 फीसदी आपूर्ति करने की उम्मीद जाहिर की है। सेल ने रेल मंत्रालय को वर्तमान तिमाही में रेल को कुल 11,700 पहियों की आपूर्ति की थी जबकि रूङ्घलुङ्घ-ङ्घद्गद्ब 2023 में 9,597 और जनवरी मार्च 24 में 11,301 पहियों की आपूर्ति की थी।' स्टील निर्माता ने बताया कि दुर्गापुर स्टील संयंत्र में जून 2024 में नई नॉन डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग मशीन का प्रयोग शुरू करने से परीक्षण की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। सेल का दुर्गापुर स्टील संयंत्र विशेष तौर पर भारतीय रेल के लिए पहिया और एक्सेल बनाता है।

इस्पात उत्पादक ने जून में बैठक के दौरान रेल मंत्रालय को बताया था कि वह जून के बचे हुए दिनों में आपूर्ति को बेहतर करेगा ताकि पहली तिमाही में आपूर्ति की संख्या को पूरा किया जा सके। सेल जुलाई-सितंबर तिमाही में महत्त्वपूर्ण उत्पादों जैसे डब्ल्यूएपी-5 (ब्रॉड गेज इलेक्ट्रिक पैसेंजर यूनिट) लोकोमोटिव व्हील और आईसीएफ एक्सेल की आपूर्ति को बेहतर करेगा।

बताया जा रहा है कि लाल सागर संकट के कारण वैश्विक स्तर पर शिपिंग कंटेनर की गैर उपलब्धता है और इससे एशिया के बंदरगाह भी प्रभावित हुए हैं। अटकलें यह है कि यह आवाजाही जुलाई में भी प्रभावित रहेगी। इससे आयातित पहियों की आपूर्ति बाधित हो सकती है। अभी ज्यादातर पहियों की आपूर्ति चीन से होती है।

भारत मोबाइल फोन निर्यात में चीन और वियतनाम को दे रहा टक्कर

निर्यात वित्त वर्ष 2024 में 40 फीसदी से बढ़कर 15.6 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मोबाइल फोन निर्यात के मामले में भारत, चीन और वियतनाम को टक्कर दे रहा है। वर्ष 2024 में चीन और वियतनाम के मोबाइल निर्यात में पिछले साल की तुलना में 2.78 फीसदी और 17.6 फीसदी की गिरावट आई, जबकि भारत के निर्यात में 40.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। चीन और वियतनाम के मोबाइल फोन निर्यात में करीब 50 फीसदी की कमी को भारत ने पूरा किया है यानी चीन और वियतनाम के मोबाइल फोन निर्यात में जितनी गिरावट आई है, उसमें से करीब 50फीसदी निर्यात की हिस्सेदारी भारत के हिस्से में आई है।

स्मार्टफोन प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना की घोषणा चीन की सप्लाई चेन में हो रहे बदलाव के मद्देनजर की गई थी। रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि इसके नतीजे दिखने लगे हैं। चीन मोबाइल फोन का टॉप निर्यातक बना हुआ है, लेकिन भारत भी उसके बराबर में आता दिख रहा है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार(आईटीसी) के आंकड़ों के मुताबिक चीन का मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 136.3 अरब डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 132.5 अरब डॉलर रह गया, जो 2.8फीसदी की कमी है। इसके कुल निर्यात में 3.8 अरब डॉलर की गिरावट आई।

वियतनाम का मोबाइल निर्यात भी वित्त वर्ष 2023 में 31.9 अरब डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 26.27 अरब डॉलर पर आ गया है, जो 17.6फीसदी की कमी या कुल निर्यात में 5.6 अरब डॉलर की गिरावट है। दोनों देशों के निर्यात में मिलाकर कुल कमी 9.4 अरब डॉलर रही। भारत का मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2024 में 40फीसदी से बढ़कर 15.6 अरब डॉलर हो गया। ये वित्त वर्ष 2023 में 11.1 अरब डॉलर था, यानी 4.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है।

प्रेसिडेंशियल डिबेट में पिछड़े बाइडेन........चिंतित इजराइल

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले होने वाले प्रेसिडेंशियल डिबेट में राष्ट्रपति बाइडेन की हालत ठीक नहीं दिखी। वे स्पष्ट तौर पर ट्रंप से पिछड़ते दिख रहे है। इसके बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में हलचल होनी शुरू हो गई है। प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन के खराब प्रदर्शन से इजरायल चिंतित है। इजरायल ने चिंता व्यक्त की है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का बहस में खराब प्रदर्शन देश के दुश्मनों को बढ़ावा दे सकता है।

इजरायल के राजनीतिक विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ईरान और उसके प्रतिनिधि बाइडेन की स्पष्ट कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। एक की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल के कई अखबारों ने अपने पहले पन्ने पर बहस को छापा।

बहस के दौरान, ट्रंप ने बाइडेन पर आरोप लगाया कि वे नहीं चाहते कि इजरायल गाजा में काम पूरा करे। ट्रंप ने बाइडेन को कमज़ोर कहा। ट्रंप यहीं नहीं रुके और बाइडेन को फिलिस्तीनी तक कह दिया। बाइडेन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुने जाने की प्रक्रिया में दोनों प्रमुख पार्टियों डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों के बीच वोटिंग से छह हफ्ते पहले टीवी पर बहस होती है। चुनाव से पहले तीन बार बहस का आयोजन होता है, जहां मतदाताओं को उम्मीदवारों को परखने का मौका मिलता है। डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच दूसरी बहस 10 सितंबर को होगी।

चुनाव में पिछड़े राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

पेरिस(ईएमएस)। फ्रांस में हुए नेशनल असेंबली के चुनाव में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी पिछड़ गई है। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने सोमवार को पहले चरण की वोटिंग के रिजल्ट जारी किए। रिजल्ट के मुताबिक, दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली को सबसे ज्यादा 35.15 प्रतिशत वोट मिले। दूसरे पर वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट गठबंधन को 27.99 प्रतिशत मिले। वहीं, मैक्रों के रेनेसां पार्टी को 20.76 प्रतिशत वोट मिले हैं। दूसरे चरण की वोटिंग 7 जुलाई को होगी। दूसरे चरण में केवल वे ही उम्मीदवार खड़े हो सकते हैं, जिन्हें पहले चरण में 12.5 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिला हो। नेशनल असेंबली में बहुमत के लिए किसी भी पार्टी को 289 सीटें जीतना जरूरी है। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में बड़ी हार के कारण राष्ट्रपति मैक्रों ने समय से पहले इसी महीने संसद भंग कर दिया था।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें घटीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। तेल कंपनियों ने सोमवार को व्यवसायिक उपयोग वाले (कमर्शियल) एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 31 रुपये की कटौती की है। इससे इसका उपयोग करने वालों को राहत मिली है। अब 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें कम हो गयी हैं। दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर 1676 की जगह 1646 रुपए जबकि कोलकाता में यह सिलेंडर अब 1756 रुपए में मिलेगा। पहले इसके दाम 1787 रुपए थे। वहीं मुंबई में सिलेंडर 1629 रुपए से घटकर 1598 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में सिलेंडर 1809.50 रुपए का मिल रहा है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहल की तरह ही रहेंगे। इसमें कोई कटौती नहीं की गयी है। दिल्ली में यह 803 और मुंबई में 802.50 का मिल रहा है।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें मार्च में 100 रुपये कम की गयीं थीं। दिल्ली में अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर 803 रुपये, कोलकाता में 829 रुपये, मुंबई में 802.50 रुपये और चेन्नई में 818.50 रुपये में मिल रहा है।

तुर्की में गैस संयंत्र में हुए धमाके में 5 मरे , कई घायल

इस्तांबुल (ईएमएस)। तुर्की में गैस संयंत्र में हुए धमाके में 5 लोगों की मौ हुई है जबकि 60 से अधिक घायल हैं। ये धमाका पश्चिमी प्रांत इजमिर में एक प्राकृतिक संयंत्र में हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार ये धमाका तोरबाली जिले में एक इमारत में स्थित एक संयंत्र में हुआ। घायलों में से कम से कम 10 की हालत गंभीर है। इजमिर के गवर्नर सुलेमान एल्बान ने कहा कि इस विस्फोट से आसपास की 11 इमारतों को भी नुकसान हुआ है। वहीं न्याय मंत्री यिलमाज़ टुनक ने कहा है कि धमाके की जांच शुरु कर दी गयी है और इसमें दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

गाने सुन रहे शख्स से खफा हुआ किम जोंग, सरेआम दे दी मौत की सजा

प्योंगग्यांग(ईएमएस)।उत्तर कोरिया के तानाशाह ने एक बार फिर अपनी सनक के चलते एक युवक की जान ले ली। 22 साल के युवक को सरेआम मौत के घाट उतार दिया गया। उसका गुनाह सिर्फ यह था कि वह पड़ोसी देश साउथ कोरिया के गाने सुन रहा था। उस पर आरोप था कि उसने के-पॉप संगीत और फिल्में देखकर उत्तर कोरिया के कानून को तोड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण ह्वांगी प्रांत के रहने वाले शख्स को दक्षिण कोरिया के 70 गाने सुनने और तीन फिल्में देखने का गुनहगार बताया गया और उसको मौत की सजा दे दी गई। रिपोर्ट में उत्तर कोरिया के ही लोगों को कोट किया गया। एक शख्स ने कहा, आखिर हम ऐसा जीवन क्यों जी रहे हैं। उत्तर कोरिया में जीने से अच्छा तो मर जाना है। जानकारी के मुताबिक उत्तर कोरिया में अधिकारी अकसर किसी का भी फोन चेक करते हैं और पता करते हैं उसमें किस तरह का संगीत है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया में दुल्हनों का सफेद ड्रेस पहनना, दूल्हे का दुल्हन का साथ ले जाना, धूप का चश्मा लगाना या फिर शराब पीने के लिए कांच का गिलास इस्तेमाल करना भी अपराध है और इसके लिए कड़ी सजा दी जाती है।

उत्तर कोरिया में रियक्शनरी आइडियोलॉजी ऐंड कल्चर कानून 2020 के तहत यह अपराध है। पूर्व शासक किम जोंग इल के शासनकाल में ही दक्षिण कोरियाई संगीत पर बैन लगाया गया था। वहीं कि जोंग उन के शासन में कानून और कठोर कर दिए गए। के-पॉप और के-ड्रामा दक्षिण कोरियाई फिल्मों और संगीत का एक रूप हैं जिन्हें दुनियाभर में पसंद किया जाता है। पहले की रिपोर्ट्स में भी दावा किया गया है कि खान-पान और पहनावे को लेकर भी उत्तर कोरिया में बेहद कड़े कानून हैं। यहां कोई भी शख्स चिपकी हुई जींस नहीं पहन सकता है। इसके अलावा हर तरह की हेयर स्टाइल नहीं कर सकता है। ऐसी टीशर्ट नहीं पहन सकता जिसपर विदेशी भाषा में कुछ भी लिखा हो। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया के लोगों को दक्षिण कोरिया की संस्कृति पसंद आती है लेकिन तानाशाह किम जोंग उन इसे अपनी सत्ता के लिए चुनौती मांगता है।

नेपाल में सियासी भूचाल, देउबा और ओली मिला सकते हैं हाथ!

काठमांडू,(ईएमएस)। नेपाल में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दल प्रचंड और सरकार पर खतरा मंडरा रहा है। नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी के नेताओं के बीच बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सियासत तेज हो गई है। माना जा रहा है कि संसद की दो सबसे बड़ी पार्टियां प्रचंड को सत्ता से हटाकर सरकार का नेतृत्व अपने हाथ में लेने की तैयारी में है।

चार महीने पहले ही केपी शर्मा ओली की सीपीएन-यूएमएल सत्ताधारी गठबंधन में शामिल हुई थी। प्रचंड ने इसी साल मार्च में पाला बदलते हुए शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस से गठबंधन तोड़कर ओली से हाथ मिलाया था। देउबा और ओली के बीच बैठक यूएमएल प्रमुख ओली के सरकार द्वारा पेश बजट की सार्वजनिक आलोचना के कुछ सप्ताह बाद हुई है। उन्होंने इसे माओवादी बजट कहा था। इस बैठक में क्या बात हुई, इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल सकी है। ओली ने कहा है कि देश को मौजूदा हालात में नहीं चलाया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट में नेपाली कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के हवाले से बताया कि दोनों नेताओं ने निष्क्रिय संघवाद और चुनाव प्रणाली की समीक्षा करने और जरुरी बदलावों के बारे में व्यापक समझ बनाने पर सहमति बन गई है। दोनों पक्ष मौजूदा सदन के बाकी बचे 32 महीने के लिए गठबंधन का नेतृत्व करने पर सहमत हो गए हैं, लेकिन पहले आधे समय में कौन नेतृत्व करेगा, इस पर बातचीत चल रही है।

इस बीच प्रधानमंत्री प्रचंड ने रविवार को ओली के साथ एक बैठक की। इसमें उप प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्ट के प्रमुख रबी लाबिछाने भी शामिल हुए। उनके बारे में अटकले लगाई जा रही है कि वे सत्तारूढ़ गठबंधन से बाहर निकलने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है दोनों पूर्व प्रधानमंत्रियों ने राष्ट्रीय राजनीति, दशकों से पुरानी अधूरी संक्रमणकालीन न्याय प्रक्रिया और अन्य राष्ट्रीय मुद्दों को हल करने के लिए संभावित सहयोग जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा की।

उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बाद उत्तर कोरिया ने सोमवार को दो बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इसके एक दिन पहले ही उ.कोरिया ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के हालिया संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में ''आक्रामक और जबरदस्त'' प्रतिक्रिया देने का संकल्प लिया था।

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि दोनों मिसाइल दक्षिण-पूर्वी उत्तर कोरिया के जांग्योन शहर से उत्तर-पूर्वी दिशा में 10 मिनट के अंतराल पर प्रक्षेपित की गईं। पहली मिसाइल ने 600 किलोमीटर (370 मील) और दूसरी मिसाइल ने 120 किलोमीटर (75 मील) की दूरी तय की, लेकिन यह नहीं बताया गया कि ये मिसाइल कहां गिरीं।

उत्तर कोरिया आमतौर पर अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर मिसाइल का परीक्षण करता है, लेकिन दूसरी मिसाइल द्वारा तय की गई दूरी इस जलक्षेत्र तक पहुंचने के लिए काफी नहीं थी। एक अज्ञात दक्षिण कोरियाई सैन्य सूत्र के हवाले से बताया कि इस बात की संभावना है कि दूसरी मिसाइल उत्तर कोरिया के अंदरूनी इलाके में गिरी हो।

उ.कोरिया की जमीन पर संभावित नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। खबरों में बताया गया कि पहली मिसाइल उत्तर कोरिया के पूर्वी शहर चोंगजिन के पास जलक्षेत्र में गिरी।

उत्तर पश्चिम भारत में 1901 के बाद से इस साल जून का महीना सबसे गर्म रहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि उत्तर पश्चिम भारत में 1901 के बाद से इस साल जून का महीना सबसे गर्म रहा है। इस दौरान औसत तापमान 31।73 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ज्ञात रहे कि उत्तर-पश्चिमी भारत के कई शहरों में इस साल जून के महीने में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था और आसमान से बरसती आग ने आम लोगों का हाल बेहाल कर दिया था। हालांकि मौसम विभाग ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश में जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है।

आईएमडी प्रमुख ने डिजिटल तरीके से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस साल जून में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है और बारिश में 11 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह पांच सालों में सबसे ज्यादा है।

आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय मोहापात्रा ने कहा कि देश में 11 जून से 27 जून तक 16 दिनों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई, जिसके कारण सामान्य से कम बारिश हुई। आईएमडी के मुताबिक, उत्तर पश्चिम भारत में 33 प्रतिशत, मध्य भारत में 14 प्रतिशत और पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत में 13-13 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई। सिर्फ दक्षिण भारत में जून के महीने के दौरान अधिक बारिश (14 प्रतिशत) दर्ज की गई।

इसके साथ ही मौसम विभाग ने बताया कि 25 में से 17 सालों के दौरान जब जून में बारिश सामान्य से कम थी, तब मौसमी बारिश सामान्य या सामान्य से अधिक दर्ज की गई थी।

केंद्रीय कर्मचारियों को फ्रीज किए गए डीए का पैसा जारी कर सकती मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के लाखों सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा मिल सकता है। कारोनाकाल में फ्रीज किए गए महंगाई भत्ते (डीए) के पैसे को मोदी सरकार अब जारी कर सकती है। महामारी की आपदा में साल 2020 से 2021 तक मोदी सरकार ने 18 महीने का डीए का पैसा फ्रीज किया था। इस लेकर कई बार कर्मचारी संगठनों ने मांग की, लेकिन इस बार उम्मीद जाहिर की गई हैं कि मोदी सरकार अपने कर्मचारियों को तोहफा दे सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस बार कर्मचारी संगठनों ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के साथ पीएम मोदी के पास भी अपनी सिफारिश भेजी है।

इस बार 18 महीने के बकाया डीए के लिए केंद्रीय कर्मचारियों की संयुक्त सलाहकार मशीनरी राष्ट्रीय परिषद (कर्मचारी पक्ष) के सचिव शिव गोपाल मिश्र ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि कोरोनाकाल में सरकारी कर्मचारियों ने अपना दायित्व बखूबी निभाया और अब उन्हें रोके गए डीए का भुगतान होना चाहिए। केंद्र सरकार हर साल 2 बार महंगाई भत्ता बढ़ाती है। एक बार जनवरी में और दूसरा जुलाई में। 2020 में कोरोना महामारी की वजह से आर्थिक चुनौतियां आईं और तब तीन बार का डीए फ्रीज कर दिया गया था।

जनवरी में भारतीय प्रतीक्ष मजदूर संघ के महासचिव मुकेश सिंह ने वित्तमंत्री सीतारमण को पत्र लिखकर फ्रीज किए गए 18 महीने के डीए को जारी करने का आग्रह किया था।

उत्तरी नाइजीरिया में आत्मघाती हमला.....18 लोगों की मौत

लंदन (ईएमएस)। उत्तरी नाइजीरिया में महिला आत्मघाती हमलावरों ने विवाह समारोह, अंतिम संस्कार कार्यक्रम और एक अस्पताल को निशाना बनाकर समन्वित हमले किए, इसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग घायल हो गए।

बोर्नो राज्य में हुए इन हमलों की जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली है। यह राज्य बोको हराम के उग्रवाद से बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

चरमपंथी समूह आत्मघाती बम विस्फोटों में पहले भी महिलाओं और लड़कियों का इस्तेमाल कर चुका है जिससे यह संदेह पैदा होता है कि इनमें से कुछ हमलावर उन स्कूली बच्चों सहित हजारों लोगों में से हैं जिन्हें आतंकवादियों ने पिछले कुछ सालों में अगवा किया है।

उन्होंने बताया कि मृतकों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। कम से कम 30 अन्य घायल हुए हैं। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने इन हमलों को आतंक की हताशाजनक हरकत बताया है। बोको हराम की एक शाखा इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध है और यह नाइजीरिया में इस्लामिक राज्य स्थापित करना चाहता है। अधिकारियों ने शहर में कर्फ्यू लगा दिया है।

पीएम मोदी की रुस यात्रा से पहले रूस में जोर पकड़ रही हिंदुओं की मांग

मास्को,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी 8 जुलाई को रूस पहुंच रहे हैं। इससे पहले ही हिंदू समुदाय ने मॉस्को में हिंदू मंदिर बनाए जाने की इच्छा जाहिर कर दी है। मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में कई इस्कॉन मंदिर मौजूद हैं। हालांकि, ये मंदिर एक सादे भवन में हैं, जिसे भारतीय समुदाय बदलना चाहता है और मंदिर जैसी इमारत की मांग देश की सरकार के सामने रख दी है। खबरों के अनुसार, इंडियन बिजनेस अलायंस के अध्यक्ष स्वामी कोटवानी ने रूस की राजधानी मॉस्को में पहली हिंदू इमारत तैयार करने की इच्छा जाहिर की है। माना जाता है कि भारत के साथ मजबूत रिश्तों के चलते रूसी सरकार हिंदू मांगों को लेकर खासी गंभीर है। हालांकि, यहां पहले से ही हिंदू धर्म से जुड़े भवन और समुदायिक केंद्र मौजूद हैं।

रूस दौरे पर पीएम मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात करेंगे। खास बात है कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद मोदी का यह पहला विदेशी दौरा होगा। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम जारी होने के बाद पुतिन ने मोदी को फोन पर बधाई भी दी थी। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी इस पास स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी, लेकिन एनडीए सरकार बनाने में सफल रही।

दोनों नेता इस साल के अंत में रूस के कज़ान में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा तब हो रही है जब रूस ने भारत के साथ एक रसद साझीदारी समझौते को मंजूरी दे दी है। दोनों पक्ष पिछले कुछ वर्षो से संयुक्त सैन्य तैनाती पर बातचीत कर रहे हैं, जो अनिवार्य रूप से एक पारस्परिक रसद विनिमय (आरई एलओएस) सौदा है। यह समझौता रूस और भारत के सैन्य संरचनाओं, युद्धपोतों और सैन्य विमानों के पारस्परिक रवानगी की प्रक्रिया पर है।

गाजा में भारी बमबारी के बाद ईरान को भी इजरायल ने दी चेतावनी

यरूशलेम,(ईएमएस)। इजरायल गाजा में लगातार हमले कर रहा है जिसमें अब तक हजारों बेगुनाह लोगों की जान जा चुकी है। पिछले 24 घंटों में इजराइली हमले में 40 फलस्तीनी मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए हैं। इजरायल लगातार गाजा पट्टी में बमबारी कर रहा है। इजराइल की तरह की कार्रवाई का कई यूएन समेत कई देश विरोध कर रहे हैं लेकिन उसका इजराइल पर कोई असर नहीं हो रहा है।

इस बीच अब इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खात्मे की भी बात कही है। इजरायल के विदेश मंत्री कैट्ज ने कहा कि ईरान विनाशकारी युद्ध की बात कर रहा है, लेकिन ये संदेश उसे विनाश की ओर ले जाएगा। कैट्ज ने एक पोस्ट में कहा कि विनाश की धमकी देने वाली सरकार को खत्म कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हिजबुल्लाह लेबनान से इजरायल पर गोलीबारी बंद नहीं करता और सीमा से दूर नहीं जाता तो इजरायल उसके खिलाफ भी कार्रवाई करेगा। ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि अगर इजरायल लेबनान में सैन्य आक्रमण करता है, तो विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा। ईरान ने कहा कि अगर स्थिति बिगड़ी तो हम भी अपने सभी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे।

बता दें कि इजरायल और हमास युद्ध के बीच हिजबुल्लाह भी इजरायल पर हमले कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने इस सप्ताह कहा था कि वे स्थिति को हल करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाना पसंद करते हैं।

किडनी की बीमारी के इलाज की उम्मीद जगी

-नमक और शरीर में फ्लूड्स की मात्रा कम करने से होगा

कैलिफोर्निया (ईएमएस)। एक नये शोध से अब तक लाइलाज मानी जाने वाली किडनी की बीमारी के इलाज की उम्मीद जगी है। अमेरिका के वैज्ञानिकों ने जानवरों पर किए गये एक अध्ययन में पाया कि कुछ दिनों के लिए खाने में नमक की मात्रा और शरीर में फ्लूड्स (तरल पदार्थ) की मात्रा कम करने से गुर्दे (किडनी) में कुछ कोशिकाओं की मरम्मत और यहां तक कि उनके दोबारा बनने में भी मदद मिल सकती है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के केक स्कूल ऑफ मेडिसिन के स्टेम सेल वैज्ञानिक जैनोस पेटी-पेटर्डी के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन में पता चला है कि चूहों में नमक और शरीर के तरल पदार्थ की कमी से गुर्दे की कोशिकाओं की मरम्मत और उनके दोबारा बनने की संभावना बढ़ जाती है। एक अध्ययन के अनुसार, यह कोशिकाओं का दोबारा बनना मैक्युला डेंसा (एमडी) नामक क्षेत्र में गुर्दे की कोशिकाओं की एक छोटी आबादी पर निर्भर करता है, जो नमक की उपस्थिति को महसूस करती है और इस महत्वपूर्ण अंग के फिल्टरिंग, हार्मोन स्त्राव और अन्य प्रमुख कार्यों पर नियंत्रण रखती है।

वर्तमान में, किडनी की बीमारी का कोई इलाज नहीं है। जब तक इसका पता चलता है, तब तक किडनी इतनी खराब हो चुकी होती है कि उसे ठीक नहीं किया जा सकता है। इसके बाद डायलिसिस और अंत में प्रत्यारोपण के विकल्प ही बचते हैं। इस बीमारी खोजने के लिए पेटी-पेटर्डी, अध्ययन की प्रथम लेखिका जॉर्जिना ग्यारमती और उनके सहयोगियों ने गैर-पारंपरिक दृष्टिकोण अपनाया। वैज्ञानिकों ने बात पर फोकस करने की बजाय कि रोगग्रस्त गुर्दे किस कारण से दोबारा ठीक नहीं हो पाते इस बात पर ध्यान दिया कि स्वस्थ किडनी प्रकार विकसित होती है। टीम ने लैब में चूहों को बहुत कम नमक वाला आहार दिया। साथ ही एसीई अवरोधक दवा दी। इससे उनके शरीर में नमक और तरल पदार्थ का स्तर और कम हो गया। चूहों ने मात्र 15 दिन तक इस आहार का पालन किया क्योंकि ज्यादा लंबे समय तक ऐसा करने से दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती थीं।

वैज्ञानिकों ने पाया कि एमडी क्षेत्र में दोबारा कोशिकाएं बनने लगीं, जिसे उन्होंने एमडी द्वारा भेजे गए संकेतों में हस्तक्षेप करने वाली दवाओं के माध्यम से रोक दिया। पेटी-पेटर्डी ने कहा, हम किडनी की मरम्मत और पुनर्जनन के बारे में सोचने के इस नए तरीके के महत्व को जानते हैं। हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि यह जल्द ही एक बहुत ही शक्तिशाली और नए चिकित्सीय दृष्टिकोण में बदल जाएगा।वैज्ञानिकों ने जब चूहे की एमडी कोशिकाओं (सेल्स) का आगे विश्लेषण किया, तो उन्होंने आनुवंशिकी और संरचनात्मक विशेषताओं की पहचान की जो तंत्रिका कोशिकाओं के समान थीं। वैज्ञानिकों ने चूहों की एमडी कोशिकाओं में कुछ जीनों से विशिष्ट संकेतों की भी पहचान की, जिन्हें कम नमक वाले आहार से बढ़ाकर गुर्दे की संरचना और कार्यप्रणाली को पुनर्जीवित किया जा सकता है।

24 घंटों में गुजरात की 212 तहसीलों में बारिश, सबसे अधिक माणावदर 8 इंच

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद समेत राज्यभर में मेघा की धुआंधार बेटिंग जारी हैं राज्यभर में अच्छी बारिश होने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली हैं वहीं बुवाई योग्य बारिश होने से किसानों में खुशी व्याप्त हैं पिछले 24 घंटों में राज्य की 212 तहसीलों में बारिश हुई हैं जूनागढ़ के माणावदर में एक रात में 8 इंच बारिश दर्ज हुई हैं वहीं अहमदाबाद और सूरत में 7 इंच बारिश हुई जानकारी के मुताबिक राज्य की 6 तहसीलों में 6 इंच से ज्यादा, 21 तहसीलों में 4 इंच से अधिक, 34 तहसीलों में 3 इंच से अधिक, 63 तहसीलों में 2 इंच और 109 तहसीलों में एक इंच से अधिक बारिश रिकार्ड हुई इस बीच मौसम के जानकार अंबालाल पटेल के मुताबिक जुलाई महीने में भारी से अतिभारी होगी मध्य गुजरात के कुछ हिस्सों में हलके से मध्यम तो कहीं रिमझिम बारिश हो सकती हैं अहमदाबाद और गांधीनगर में भारी बारिश की संभावना हैं वहीं पूर्वी गुजरात, पश्चिम सौराष्ट्र और जामनगर समेत कच्छ में भारी बारिश हो सकती हैं दूसरी ओर मौसम विभाग ने राज्य में 7 दिन बारिश की संभावना व्यक्त की हैं आज भरुच, सूरत, नवसारी, वलसाड, दमण, दादरा नगर हवेली में भारी बारिश हो सकती हैं इसके अलावा सौराष्ट्र के पोरबंदर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ में भी बारिश की संभावना हैं मौसम विभाग के मुताबिक आज साबरकां, अरवल्ली, महीसागर, सूरत, नवसारी में भारी बारिश हो सकती हैं 2 जुलाई को नवसारी, वलसाड, दमण, दादरा नगर हवेली में अतिभारी बारिश की संभावना हैं मौसम विभाग के मुताबिक आज से राज्य में भारी से अतिभारी होगी मध्य गुजरात में सायक्लोनिक सर्क्युलेशन सिस्टम सक्रिय होने से बरसाती माहौल हैं वहीं मानसून की संभावित भारी बारिश को देखते हुए राज्य सरकार सज्ज हैं गांधीनगर स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर में हुई वेधर वॉच ग्रुप की बैठक में राहत आयुक्त ने बताया कि बारिश की स्थिति से निपटने के लिए कच्छ, राजकोट, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, भावनगर, नर्मदा और वलसाड में एनडीआरएफ की 7 टीमों को तैनात किया गया हैं जबकि एनडीआरएफ की 8 टीमें अलर्ट पर हैं इसके अलावा एसडीआरएफ की सभी टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया हैं

व्यापारी से एक करोड़ की फिरौती मांगने मामले में दो लोग गिरफ्तार, पिस्तौल-कारतूस भी बरामद

वडोदरा (ईएमएस) शहर के एक व्यापारी फोन कर एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई थी मामला दर्ज होने के बाद हरकत में आई वडोदरा क्राइम ब्रांच ने चंद घंटों में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया साथ ही पिस्तौल-कारतूस भी बरामद कर लिए हैं जानकारी के मुताबिक वडोदरा के एक व्यापारी को फोन कर एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई थी मामला सामने आने के बाद वडोदरा क्राइम ब्रांच ने राजस्थान के मूल निवासी प्रहलादराम उर्फ पीपी मांगीलाल बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेश कर 7 दिन रिमांड प्राप्त की थी जिसके बाद आरोपी प्रहलादराम को लेकर राजस्थान पहुंची और टेकनिकल व ह्युमन रिसोर्स के आधार पर रामस्वरूप गोपीलाल दारा को दबोच लिया रामस्वरूप दारा राजस्थान के फलोदी जिले का मूल निवासी हैं ईसी रामस्वरूप ने व्यापारी से फिरौती मांगने वाले आरोपी प्रहलादराम बिश्नौई को रु. 50000 में पिस्तौल और कारतूस दी थी रामस्वरूप राजस्थान में वाहन चोरी के अलावा राजस्थान और मध्य प्रदेश में धोखाधड़ी के मामलों में पकड़ा जा चुका हैं वडोदरा क्राइम ब्रांच ने रामस्वरूप दारा को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

बारिश का नजारा देख रही महिला पर ऊपर के मकान की बाल्कनी गिरी, अस्पताल में मौत

वडोदरा (ईएमएस) शहर के हरणी क्षेत्र में एक महिला पर ऊपर के घर की बाल्कनी उस वक्त गिरी जब वह अपनी बाल्कनी में खड़े होकर बारिश का नजारा देख रही थी गंभीर हालत में महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया जानकारी के मुताबिक वडोदरा के हरणी क्षेत्र स्थित इंदिरा आवास योजना के तहत मिले घर में रहनेवाली नया जादव नामक महिला अपने घर की बाल्कनी खड़े होकर बारिश का नजारा देख रही थी उस वक्त ऊपर की बाल्कनी एक हिस्सा ढह गया और उसके मलबा नयना जादव के सिर पर गिरा इस घटना में नयना जादव के सिर में गंभीर चोट लगी और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया

सूरत में पलटी रोडवेज की स्लीपर बस...नशे में था ड्राइवर, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

अहमदाबादः गुजरात के सूरत में राज्य सड़क परिवहन निगम (GSRTC) की एक स्लीपर बस पलटने की घटना सामने आई है। सूरत के वराछा एरिया में देर रात एक स्लीपर बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें दावा किया जा रहा है कि बस की गति काफी ज्यादा थी। इसे लिए नशे में बस चल रहा ड्राइवर उसकी नियंत्रित नहीं कर पाया और यह घटना हो गई। बस पलटने की घटना में कोई मौत नहीं हुई, लेकिन यात्रियों को काफी चोट आई है। घायल हुए यात्रियों को 108 एंबुलेंस की मदद से सूरत के स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद सूरत के मेयर दक्षेश मवानी मौके पर पहुंचे।

सूरत के वराछा में पलटी बस वापी से दाहोद जा रही थी। देर रात बस वराछा में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस के साथ गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) ने भी इस घटन की जांच शुरू की है। घायल हुए बस चालक को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नशे में होने की पुष्टि के लिए उसके ब्लड सैंपल लिए गए हैं। गुजरात के सूरत में देर रात जीएसआरटीसी की एक स्लीपर बस पटल गई। बस पलटने से पहले डिवाइडर पर लगे एक बिजली के पोल से टकराई। घायलो को सूरत में स्मीयर अस्तपाल में भर्ती कराया गया है। यात्रियों का आरोप हैं कि ड्राइवर बस को नशे की हालत में चल रहा था। मौके पर पहुंचे लोगों ने यात्रियों को बाहर निकलवाया। चालक ने बताया है कि एक स्टेयरिंग पर से नियंत्रण खो बैठक था। बस बिजली के एक पोल से टकराई।

कुल यात्रियों ने दावा किया कि उन्हें करंट महसूस हुआ, हालांकि गनीमत यह रही कि किसी यात्री की जान नहीं गई। बस पलटने के बाद आसपास मौजूद लोग मदद के दौड़े और बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला। स्लीपर बस जब पलटी तब काफी यात्रियों सो रहे थे। ऐसे में उनके आंखें घटना के बाद खुलीं। यात्रियों का कहना है कि बस ड्राइवर के नशे में होने से यह घटना हुई। वह तेज गति से बस को चला रहा था। इसके कारण वह बस को नहीं संभाला पाया।

गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यालय को मिला आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को आईएसओ 9001:2015 का सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया है। यह आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार मुख्यमंत्री कार्यालय के उच्च स्तरीय, गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और जन-केंद्रित व सुचारु कामकाज को प्रमाणित करते हुए दिया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2009 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की प्रशासनिक कार्य संस्कृति में गुणात्मक परिवर्तन लाने की प्रतिबद्धता के साथ गुणवत्ता एवं कार्य निष्पादन के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कार्यालय को आईएसओ बेंचमार्क की क्वालिटी पर रखा था। राज्य शासन के सर्वोच्च केंद्र समान मुख्यमंत्री कार्यालय को पहली बार 2009 में सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सातत्यपूर्ण सुधारों के साथ समयबद्ध कार्य आयोजन के लिए यह आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन दिया गया था। नरेन्द्र मोदी द्वारा स्थापित सुशासन के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन को गुजरात की प्रशासनिक व्यवस्था ने निरंतर बनाए रखा है। गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यालय ने 2009 से 2023 तक लगातार पांच त्रिवार्षिक आईएसओ सर्टिफिकेशन प्राप्त करने वाले देश के एकमात्र राज्य के रूप में यह विशेष गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रीवेंसेज बाई एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) तथा आईएसओ ऑडिट की परम्परा भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ी है। इस सफलता के चलते मुख्यमंत्री कार्यालय को 2024 से 2026 तक की अवधि की छठी साइकिल के लिए आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को यह प्रमाण पत्र टेक्नोक्रेट कंसल्टेंट्स के निदेशक भाविन वोरा और प्रमाणन एजेंसी-ब्यूरो वेरिटास के अधिकारियों की ओर से सौंपा गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन मुख्यमंत्री कार्यालय को सुनिश्चित मानकों के साथ कार्य निष्पादन, क्षमता एवं प्रभावकारिता तथा समयबद्धता के जरिए आम जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति के लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रखेगा। राज्य के प्रशासन को लेकर प्रधानमंत्री के चिंतन तथा उत्तम जनसेवा के संकल्प को साकार करने के अविरत प्रयासों के फलस्वरूप सीएमओ को यह आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त होने पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'टीम सीएमओ' को बधाई दी है।

मुंबई बम ब्लास्ट की तीन रिवॉल्वर ३१ साल बाद जब्त

सूरत, ०१ जुलाई। १९९३ में मुंबई ब्लास्ट के दौरान मुंबई के विशेष इलाके में से एक युवक को तीन रिवॉल्वर मिली थी। तीनों रिवॉल्वर के साथ एसओजी ने एक युवक को शहर के लिम्बायत क्षेत्र में से गिरफ्तार किया है। युवक ने पिछले ३१ साल से तीनों रिवॉल्वर अपने पास छिपाकर रखी हुई थी।

शहर में आगामी दिनों में आयोजित होने वाली रथयात्रा को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए कोई अप्रिय घटना न हो तथा शहर में अवैध हथियार रखकर जनता में भय फैलाने वाले टपोरी गिरोह पर नजर रखकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। जिसे लेकर एसओजी पुलिस की टीम शहर के अलग-अलग इलाकों में गश्त पर थी।

इस दौरान मुखबिर से मिली ठोस जानकारी के आधार पर एसओजी ने लिम्बायत डुंभाल में स्थित अम्बिका अपार्टमेंट फ्लैट नंबर-३ में छापा मारा और मौके पर से आरोपी मेहुल नरेशचंद्र ठक्कर को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से बिना लाइसेंसी १.५० लाख की कीमत की तीन रिवॉल्वर जब्त की गई और मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

पुलिस द्वारा आरोपी से रिवॉल्वर के बारे में पूछताछ करने पर यह जानकारी सामने आई कि वर्ष १९९३ में वह अपने माता-पिता के साथ मुंबई के विशेष इलाके में स्थित पुरुषोत्तम पारेख मार्ग यूनिक अपार्टमेंट में रहता था। उस दौरान मुंबई शेयर मार्केट में बम विस्फोट हुआ था, उस समय उसके पिता की मौत हो गई।

मुंबई में सांप्रदायिक दंगे भी हुए थे। तभी उसे विशेष शेड पर कपड़े का एक थैला मिला था। जिसमें तीनों रिवाल्वर थी। उसने तीनों रिवाल्वर अपने घर ले जाकर छिपा दिया। इसके बाद वर्ष १९९५ में वह सूरत में रहने आ गया था। तभी से उसने सामान के अंदर तीनों रिवॉल्वर छिपा रखी थी। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में कोई आपराधिक मामला नहीं है। वह सब्जी बेचता है।

राज्य की 19,776 छात्राओं को डॉक्टर बनने के लिए मिली 573.50 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता

गांधीनगर (ईएमएस) भारत में प्रति वर्ष 1 जुलाई को पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और प्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. बिधान चंद्र रॉय की याद में 'राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस की थीम 'विंग्स एंड स्टेथोस्कोप्सः हीलर्स ऑफ होप' है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात में मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य सरकार इस बात के लिए लगातार प्रयासरत है कि राज्य की महिलाएं भी मेडिकल क्षेत्र में अपना करियर बनाएं और एक कुशल डॉक्टर बनकर स्वास्थ्य सेवाओं में अपना योगदान दें। गुजरात सरकार ने मेडिकल क्षेत्र (एमबीबीएस) में अपना करियर बनाने को इच्छुक राज्य की बेटियों के लिए 'मुख्यमंत्री कन्या केळवणी निधि योजना' (एमकेकेएन) लागू की है। इस योजना का उद्देश्य एमबीबीएस में अध्ययन करने वाली तेजस्वी छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। मुख्यमंत्री कन्या केळवणी निधि योजना के अंतर्गत अब तक राज्य की 19,776 छात्राओं को 573.50 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता का लाभ दिया गया है।

मुख्यमंत्री कन्या केळवणी निधि (एमकेकेएन) योजना

इस योजना के अंतर्गत 6 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले परिवार की ऐसी छात्राएं जो कक्षा 12 के बाद एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त करती हैं, उन्हें राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाती है। इस सहायता के लिए छात्राओं की सामुदायिक पृष्ठभूमि को ध्यान में नहीं लिया जाता है। वर्ष 2017 में शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या केळवणी निधि योजना के तहत अब तक राज्य सरकार द्वारा कुल 19,776 छात्राओं को मेडिकल क्षेत्र में करियर निर्माण के लिए 573.50 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। वर्ष 2023-24 के लिए इस योजना के अंतर्गत 4000 छात्राओं को 140 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान करने के लक्ष्य के सापेक्ष 4982 छात्राओं को 171.55 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता का भुगतान किया गया है।

गत 22 वर्षों में गुजरात में मेडिकल कॉलेजों और मेडिकल सीटों की संख्या में वृद्धि

गुजरात के छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए राज्य के बाहर न जाना पड़े और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही मेडिकल की उत्तम शिक्षा उपलब्ध हो सके, इसके लिए राज्य सरकार ने मेडिकल कॉलेजों और मेडिकल सीटों की संख्या में लगातार वृद्धि की है। वर्ष 2001-02 में जहां राज्य में केवल 10 मेडिकल कॉलेज थे, वहीं 2023-24 में इनकी संख्या बढ़कर 40 हो गई है। इसके साथ ही, मेडिकल सीटों की संख्या वर्ष 2001-02 में 1275 से बढ़कर 2023-24 में 7050 तक पहुंच गई है।

राज्य के पांच जिलों को मेडिकल कॉलेज की सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में गुजरात के पांच जिलों- नवसारी, नर्मदा, पंचमहाल, मोरबी और पोरबंदर में 2250 करोड़ रुपए की लागत से नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सौगात दी है। प्रत्येक मेडिकल कॉलेजों में छात्रों के लिए 100 सीटें उपलब्ध कराई जाएंगी। इन जिलों में नवसारी, नर्मदा और पंचमहाल आदिवासी जिले हैं। अब आदिवासी समुदाय के छात्रों को भी मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए व्यापक अवसर मिलेंगे।

बिजली का करंट लगने से माता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत

खेडा (ईएमएस) जिले के महेलज गांव में बिजली का करंट लगने से मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई राज्य के कई जिलों में मूसलाधार बारिश हो रही है और बिजली गिरने से मौत की खबरें सामने आ रही हैं लेकिन खेडा जिले की मातर तहसील के महेलज गांव में दुकान का शटर खोलते समय हादसा हो गया शटर खोलते ही चार लोगों को बिजली करंट लगी करंट लगने के बाद चार लोगों को तुरंत चरोतर अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर ने माता-पुत्र समेत तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया जबकि एक व्यक्ति समय पर उपचार होने से बच गया मृतकों में यास्मिन पठान, अवेज खान पठान और साहिल खान पठान शामिल हैं

पश्चिम रेलवे द्वारा चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराए पर 04 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे मौजूदा ठहराव, समय और संरचना के साथ विस्तारित किये गये हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

1.ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 01 जुलाई, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 08 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 29 जुलाई, 2024 कर दिया गया है।

ट्रेन संख्या 09621 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 30 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 07 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 28 जुलाई, 2024 कर दिया गया है।

2.ट्रेन संख्या 09654 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 30 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 07 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 29 सितंबर, 2024 कर दिया गया है।

ट्रेन संख्या 09653 अजमेर – बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 29 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 06 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 28 सितंबर, 2024 कर दिया गया है।

3.ट्रेन संख्या 04712 बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 27 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 04 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 01 अगस्त, 2024 कर दिया गया है।

ट्रेन संख्या 04711 बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 26 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 03 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 31 जुलाई, 2024 कर दिया गया है।

4.ट्रेन संख्या 09724 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 27 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 04 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 26 सितंबर, 2024 कर दिया गया है।

ट्रेन संख्या 09723 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 26 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 03 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 25 सितंबर, 2024 कर दिया गया है।

ट्रेन संख्या 09622, 09654, 04712 एवं 09724 के विस्तारित फेरो की बुकिंग 02 जुलाई, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.iāianrail.gov.in. पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रियलमी ने 8,999 रुपये मूल्य में अपने सेगमेंट के एक मात्र वेगन लैदर डिज़ाईन के साथ रियलमी सी63पेश किया

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 2024 - भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज अपनी चैंपियन सीरीज़ में सबसे नया स्मार्टफोन रियलमी सी63 पेश किया। रियलमी सी63 एक बजट-फ्रेंडली स्मार्टफोन है, जो अपने सेगमेंट में एकमात्र वेगन लैदर डिज़ाईन के साथ स्टाईल और डयूरेबिलिटी प्रदान करता है। रियलमी सी63 में 45 वॉट का फास्ट चार्जर दिया गया है, जो इसे बहुत तेजी से चार्ज कर देता है। साथ ही इसकी 5,000 एमएएच की बैटरी भारी उपयोग के बाद भी पूरे दिन पर्याप्त पॉवर प्रदान करती है। रियलमी सी63 में फ्लैगशिप लेवल के एआई अनुभव और इनोवेटिव फीचर्स जैसे एयर गेस्चर, रेनवॉटर स्मार्ट टच और इसका अत्यधिक लोकप्रिय मिनी कैप्सूल 2.0 फीचर दिए गए हैं।

इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, ''हम अपनी चैंपियन सीरीज़ में नया स्मार्टफोन, रियलमी सी63 पेश करके उत्साहित हैं। रियलमी में हम ऐसी इनोवेटिव टेक्नोलॉजी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हमारे युवा ग्राहकों की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा कर सके। रियलमी सी63 इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है, और किफायती मूल्य में अनेक आधुनिक फीचर्स प्रदान करता है। हमारा मानना है कि रियलमी सी63 अपने अद्वितीय स्टाईल, डयूरेबिलिटी और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ बजट स्मार्टफोन के सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर देगा।''

अपने सेगमेंट का एकमात्र फ्लैगशिप वेगन लैदर डिज़ाईन

रियलमी सी63 को एक प्रीमियम वेगन लैदर बैक कवर के साथ डिज़ाईन किया गया है, जो आम तौर से फ्लैगशिप स्तर के स्मार्टफोन में देखने को मिलता है। इस डिज़ाईन में अपने सेगमेंट के अन्य उत्पादों के मुकाबले ज्यादा बेहतर टैक्सचर है, जो दागों के लिए रजिस्टैंट होने के साथ ज्यादा टिकाऊ भी है। प्रीमियम वैगन लेदर टैक्सचर के लिए रियलमी सी63 में खुरदुरा लीची पैटर्न लिया गया है, जो वेगन लैदर बैक शेल को कवर करके प्रीमियम टैक्सचर प्रदान करता है, और ग्रिप बढ़ाकर विज़्युअल और स्पर्श का अनुभव बेहतर बनाता है। इसके अलावा रियलमी सी63 इस मूल्य वर्ग में एकमात्र मैटल लेंस डेको के साथ आता है, जो अपनी मजबूत और बेहतर टैक्सचर के कारण महंगा है।

अहमदाबाद भीषण एक्सीडेंट, दो SUV की टक्कर में तीन की मौत, फॉर्च्यूनर में भरी थी शराब

अहमदाबादः गुजरात के अहमदाबाद में एक बार फिर भीषण एक्सीडेंट की घटना सामने आई है। सोमवार सुबह अहमदाबाद की रिंग रोड पर फॉर्च्यूनर कार और थार के बीच जबरदस्त टक्कर हुई। इस घटना में तीन की मौत हो गई। छह अन्य को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी ज्यादा जोरदार थी। दोनों एसयूवी की के परखच्चे उड़ गए। फॉर्च्यूनर कार से दारु औ बियर की बदामदगी हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि कार में शराब ले जाई जा रही थी। यह एक्सीडेंट वकील ब्रिज के नजदीक हुआ। मरने वालों में फॉर्च्यूनर में सवार एक ड्राइवर है, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

अहमदाबाद की रिंग रोड पर हुए एक्सीडेंट में सामने आया है कि फॉर्च्यूनर में शराब भरी हुई थी। थार से जब वह टकराई तो वह कई फीट उछल गई।फॉर्च्यूनर की स्पीड काफी ज्यादा बताई जा रही है। एक्सीडेंट के बाद फॉर्च्यूनर कार सड़क के बीचोंबीच डिवाइडर पर जा गिरी। ऐसा सामने आया है कि कार में शराब होने के कारण उसे तेज गति से चलाया जा रहा था। हादसे के बाद सड़क पर शराब और बियर के कैन बिखर गए। गुजरात के अहमदाबाद में एसपी रिंग रोड पर बड़ा एक्सीडेंट सामने आया है। सोमवार सुबह पांच बजे के करीब शराब ले जारी फॉर्च्यूनर थार से टकरा गई। इस हादसे में तीन की मौत हो गई, जबकि छह अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को कार में 30 पेटी से अधिक दारू और बियर मिली है। दोनों कारों को जेसीबी की मदद से हटाया। पुलिस जांच कर रही है कि फॉर्च्यूनर का मालिक कौन है। अहमदाबाद पुलिस की डीसीपी नीता देसाई ने बताया कि कारों की नंबर प्लेट के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

बेमौसमी बारिश के पीड़ित किसानों को सरकार सहायता देगी

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य के उन किसानों के लिए बड़ी खबर सामने आई है, जिन्हें बेमौसमी बारिश से कृषि फसलों को नकसान हुआ था मार्च और मई महीने में राज्य के कई जिलों में बेमौसमी बारिश हुई थी और उससे किसानों को नुकसान हुआ था बेमौसमी बारिश से पीड़ित किसानों ने राज्य सरकार से सहायता देने की मांग की थी ऐसे 10 हजार से अधिक किसानों को एसडीआरएफ नोर्म्स के तहत सहायता राशि दी जाएगी इसके अंतर्गत साबरकांठा, मेहसाणा, अरवल्ली और खेडा के 9674 किसानों को बेमौसमी बारिश से हुए नुकसान के लिए सहायता दी जाएगी इसके अलावा नर्मदा, सूरत और वलसाड जिले के 1369 किसानों को सहायता राशि देने का राज्य सरकार ने निर्णय किया हैं

वडोदरा वासियों के लिए अच्छी खबर,

भारत में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की 27वीं वर्षगांठ के अवसर पर अंबिका इलेक्ट्रॉनिक्स में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया LG OLEDevo AI TV ने टीवी की अगली पीढ़ी लॉन्च की!

भारत में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की 27वीं वर्षगांठ पर एलजी ब्रांड शॉप अंबिका इलेक्ट्रॉनिक्स निज़ामपुरा में श्री निखिल सुतारिया - क्षेत्रीय व्यापार प्रमुख गुजरात, श्री जिगर देसाई - शाखा प्रबंधक सूरत, श्री किंतन - क्षेत्र बिक्री प्रबंधक, श्री संकेत मोदी - शाखा विपणन प्रबंधक , श्री जिमी सिनोजिया - एलजी की नई **OLED** टीवी लाइन अप की एक भव्य प्रस्तुति श्री अनिल, श्री प्रजनेश पटेल, जोनल मार्केटिंग हेड और एलजी बेस्ट शॉप के मालिक की उपस्थिति में की गई थी।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (एलजी) एक दशक से अधिक समय से ओएलईडी तकनीक में अग्रणी और अग्रणी रहा है, जिसे पारिवारिक मनोरंजन में अत्याधुनिक नवाचार पेश करने पर गर्व है। अगली पीढ़ी का एआई टीवी 108 सेमी से लेकर 246 सेमी (97) तक के आकार में उपलब्ध है। 2024 लाइनअप में **LG OLED evo AI** और **LG QNED AI** टीवी की सबसे उन्नत रेंज शामिल है, जिसमें **LG OLED 97G4** भी शामिल है। पावर पैक्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) परफॉर्मेंस वाला दुनिया का सबसे बड़ा ओएलईडी टीवी जो देखने के आनंद के हर पहलू को कवर करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री निखिल सुतारिया - क्षेत्रीय व्यापार प्रमुख, गुजरात, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने कहा कि हमें एआई टीवी की अगली पीढ़ी पेश करने पर गर्व है, जो ओएलईडी और प्रीमियम एलईडी तकनीक दोनों में नवाचार की अग्रणी स्थिति को प्रदर्शित करता है। भारत में बड़ी स्क्रीन वाले टीवी की मांग बढ़ रही है और हम **WEBOS** रिन्यू प्रोग्राम लाइन अप के अलावा जीवंत चित्र गुणवत्ता, उन्नत एआई-संचालित प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के साथ दुनिया के सबसे बड़े 97 (246.38 सीएम) टीवी जैसे उत्पादों के साथ अपने पोर्टफोलियो का लगातार विस्तार कर रहे हैं। इस नए के साथ हमारा लक्ष्य भारत में फ्लैट पैनल टीवी में अपने बाजार नेतृत्व को और बढ़ाना है।''

वड़ोदरा डिवीज़न के 35 रेल कर्मचारियों को मिला डीआरएम अवार्ड

पश्चिम रेलवे के वड़ोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री जीतेंद्र सिंह ने मंडल के 35 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को डयूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

वडोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी लेफ्टिनेंट धर्मेंद्र कुमार प्रजापति ने बताया कि ट्रैक मेन्टेनर श्री जीतेन माझी, श्री संजय कुमार नटवर,श्री रौशन कुमार, श्री दुर्गेश कुमार, श्री नर्वेश कुमार, श्री गोविंद मगन, खलासी श्री संजय गोकल, कारपेंटर श्री खुशी राम मीना, गेटमेनश्री दीपेश कुमार, लोहार श्री अजीज मियां शेख, ट्रॉलीमैन श्री लवकेश कुमार मीना, कनिष्ठ अभियंता श्री सुरज कुमार काकरान, स्टेशन अधीक्षक श्री सतीश शर्मा, श्री संजीव कुमार मल, श्री अजय परमार, श्री प्रवीण पाल, पॉइंटसमेन श्री संजय कुमार यादव, श्री मनमोहन प्रसाद, श्री जीतेन्द्र मीना, श्री कुंदन कुमार, अजय कुमार निगम, सीटीएनएल श्री दीपक कुमार, लोको पायलट श्री चंद्रभाण शर्मा, श्री हिमांशु कुमार नांगल, श्री अजय कुमार मेहता, एस.एस.ई. संकेत श्री हर्ष शर्मा, ई.एस.एम श्री राजेश रूपसिंग, श्री सलीम अब्दुल पटेल, श्री विजय कुमार गौतम, टीसीएम श्री संतोष मोरे, श्री वसीम आजाद, सहायक श्री इन्द्रजीत महावर, सहायक श्रीगिरीश बी., फिटर श्री मनीषभाई बी. पटेल तथा वरिष्ठ तकनीशियन श्री हितेश बी. परमार को योग्यता प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। सभी सम्मानित कर्मचारियों ने रेल संरक्षा में त्रुटि पाई जाने पर तुरन्त उचित कार्यवाही करके अप्रत्याशित घटना और संभावित क्षति से बचाया है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री जीतेंद्र सिंह ने इन सजग संरक्षा रेल प्रहरी की हौसला अफजाई की। श्री सिंह ने कहा कि यात्रियों की संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है एवं जब रेलकर्मी अपनी डयूटी के दौरान सजगता और सतर्कता से काम करते हैं तो हमें सेफ ट्रेन वर्किंग में मदद मिलती है। हमें इन रेल कर्मियों पर गर्व है।

पश्चिम रेलवे 4 जोड़ी विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाएगा

ट्रेन सं.	से	तक	दौड़ का दिन	विस्तारित तक
09622	बांद्रा टर्मिनस	अजमेर	सोमवार	29.07.2024
09621	अजमेर	बांद्रा टर्मिनस	रविवार	28.07.2024
09654	बांद्रा टर्मिनस	अजमेर	रविवार	29.09.2024
09653	अजमेर	बांद्रा टर्मिनस	शनिवार	28.09.2024
04712	बांद्रा टर्मिनस	बीकानेर	गुरुवार	01.08.2024
04711	बीकानेर	बांद्रा टर्मिनस	बुधवार	31.07.2024
09724	बांद्रा टर्मिनस	जयपुर	गुरुवार	26.09.2024
09723	जयपुर	बांद्रा टर्मिनस	बुधवार	25.09.2024

ट्रेन नंबर 09622, 09654, 04712 और 09724 की विस्तारित यात्राओं की बुकिंग 02 जुलाई, 2024 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया ww.enquiry. indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

उपरोक्त गाड़ियाँ स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलेंगी विशेष किराये पर चलेंगी

पश्चिमी रेलवे

www.wr.indianrailways.gov.in

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96